RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः24 , रविवार, 08 मार्च 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

बीडीओ के पांच ठिकानों पर निगरानी की छापेमारी, आय से अधिक संपत्ति का आरोप 03

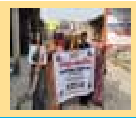

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला लीडर ने संभाली 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त ... 04

कृति सेनन से बेहतर होने की जंग में यामी गौतम की सफाई, कहा-ऐसे ... 07

संत राम रहीम पत्रकार छत्रपति हत्याकांड में बरी

- हाईकोर्ट ने दिया फैसला,7 साल पहले उम्रकैद हुई थी, 3 अन्य की सजा बरकरार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में डेरा सच्चा सौदा के राम रहीम को बरी कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने 3 आरोपियों कुलदीप सिंह, निर्मल सिंह और कृष्ण लाल की सजा को बरकरार रखा है। इससे पहले 17 जनवरी 2019 को पंचकूला की स्पेशल कोर्ट ने राम रहीम समेत बाकी सभी आरोपियों को 7 साल कैद की सजा सुनाई थी। जिसके खिलाफ आरोपियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

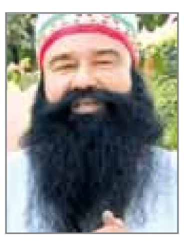

फैसला सुनाते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि इस हत्याकांड में राम रहीम के साजिशकर्ता होने के पर्याप्त सबूत नहीं हैं। जिस वजह से राम रहीम को बरी कर दिया गया। राम रहीम इससे पहले डेरा मैनेजर रणजीत हत्याकांड में पहले ही हाईकोर्ट से बरी हो चुका है। हालांकि सीबीआई ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। राम रहीम को साध्वियों के यौन शोषण केस में 10 साल कैद की सजा हुई है।

'यात्रा' से पॉलिटिकल करियर की शुरुआत करेंगे निशांत

- पिता नीतिश की तरह ही बनाया प्लान, ब्लू प्रिंट भी तैयार

पटना (एजेंसी)। सीएम नीतिश कुमार के नेतृत्व में शुक्रवार को जेडीयू विधानमंडल दल की बड़ी बैठक हुई। इस बैठक में केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा भी मौजूद थे। इस बैठक में तय हो गाया कि निशांत कुमार 8 मार्च को जदयू की सदस्यता ग्रहण करेंगे। निशांत कुमार इसके बाद बिहार की यात्रा पर निकलेंगे। कुल मिलाकर इन सब बातों का निचोड़ अब साफ दिखने लगा है। निशांत कुमार पिता नीतिश कुमार की तरह ही अपने पॉलिटिकल करियर की शुरुआत करेंगे। याद कीजिए

2005 के फरवरी में हुए चुनावों को जिसमें किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था। सत्ता की चाबी लोजपा के पास थी लेकिन दिवंगत रामविलास पासवान किसी मुस्लिम को मुख्यमंत्री बनाने के लिए अड़ गए थे। तब नीतिश कुमार ने क्या किया था। पिता नीतिश कुमार की तरह ही निशांत कुमार भी यात्रा से अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत करेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि जनता और कार्यकर्ता का आशीर्वाद लेने के लिए उनकी यात्रा का नाम आशीर्वाद यात्रा भी रखा जा सकता है। हालांकि अभी ये तय नहीं है कि निशांत कुमार की यात्रा का नाम क्या होगा।

दुर्भाग्य है कि धर्मयुद्ध के लिए निकलना पड़ रहा

- शंकराचार्य बोले-जिंदा हिंदू लखनऊ चलें लिखे पोस्टर बांटे

वाराणसी (एजेंसी)। बहुत दुर्भाग्य की बात है कि धर्म युद्ध के लिए निकलना पड़ रहा है। अपने ही देश में, अपने ही वोट से चुनी सरकार के सामने, अपनी ही गौ-माता को बचाने के लिए हम लोगों को आंदोलन करना पड़ रहा है। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने ये बातें काशी में लखनऊ रवाना होने से पहले शनिवार को कही। शंकराचार्य ने इस आंदोलन को गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध सभा का नाम दिया। वह 11 मार्च को लखनऊ पहुंचेंगे। यहां हजारों संतों

की मौजूदगी में सभा करेंगे। इसमें सरकार से गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग करेंगे। शंकराचार्य ने 30 जनवरी को योगी सरकार को 40 दिन का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने तब कहा था- गाय को राष्ट्रमाता घोषित करें। वरना आंदोलन करेंगे। शंकराचार्य काशी से जौनपुर, सुल्तानपुर, अमेठी, रायबरेली, उन्नाव, हरदोई, सीतापुर होते हुए 5 दिन बाद लखनऊ पहुंचेंगे। यात्रा में 20 से अधिक गाड़ियां हैं। 500 से अधिक श्रद्धालु साथ हैं। इस दौरान लोगों को पोस्टर बांटे गए। इनमें लिखा है- जिंदा हिंदू लखनऊ चलें। इससे पहले, शंकराचार्य सुबह 8.30 बजे मठ से निकलकर गौशाला पहुंचे। गाय की पूजा की। फिर पालकी पर सवार हुए।

समंदर में संकट में फंसा ईरान तो भारत ने की मदद

युद्ध के बीच ईरानी युद्धपोत को कोच्चि में दी शरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष अब भारत के समुद्री पड़ोस तक पहुंच गया है। श्रीलंका के तट के पास एक अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा ईरानी युद्धपोत को डुबोए जाने के ठीक दो दिन बाद, भारत ने ईरान के एक दूसरे युद्धपोत आईरिस लावन को कोच्चि बंदरगाह पर रुकने की अनुमति दे दी है।

इस कदम को भारत द्वारा अमेरिका और ईरान के बीच एक बेहद जटिल बैलेंसिंग एक्ट के रूप में देखा जा रहा है। तनाव की शुरुआत बुधवार को हुई, जब श्रीलंका के तट से लगभग 19 समुद्री मील दूर एक अमेरिकी पनडुब्बी ने ईरानी फ्रिगेट आईरिस डेना पर टॉरपीडो से हमला कर उसे डुबो दिया। इस भीषण हमले में 87 ईरानी नाविकों की मौत हो गई। इस घटना ने पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा कर दी है,

क्योंकि यह पहली बार है जब अमेरिका-ईरान संघर्ष भारत के इतने करीब पहुंचा है। ईरानी युद्धपोत आईरिस लावन एक उभयचर युद्धपोत है। यह पिछले महीने भारत द्वारा आयोजित इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में हिस्सा लेने आया था। अधिकारियों के अनुसार ईरान ने 28 फरवरी को भारत से संपर्क कर तकनीकी खराबी का हवाला देते हुए युद्धपोत को कोच्चि में डॉक करने का अत्यंत जरूरी अनुरोध किया था। भारत ने 1 मार्च को इसकी मंजूरी दी और बुधवार को यह जहाज कोच्चि पहुंचा। जहाज के 183 चालक दल के सदस्यों को वर्तमान में कोच्चि में नौसैनिकों के साथ ठहराया गया है। भारत की तरह श्रीलंका ने भी एक अन्य ईरानी युद्धपोत आईरिस बुशहर को अपने यहा शरण दी है। इंजन में खराबी के बाद इसके 208 सदस्यों को एक नौसैनिक कैंप में ठहराया गया है। श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायक ने इसे एक मानवीय जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय संधियों के तहत संकट में फंसे जहाज की मदद करना उनका कर्तव्य है।

टी 20 वर्ल्डकप का फाइनल मैच आज

भारत और न्यूजीलैंड की होगी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 अपने आखिरी पड़ाव पर है। कल रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खिताबी जंग होगी। फाइनल से पहले ही आईसीसी ने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के लिए 8 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट कर लिया है। आईसीसी के नोमिनेशन में भारत के संजू सैमसन का भी नाम है। भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी टूर्नामेंट के इतिहास में रिकॉर्ड 15वीं बार फाइनल खेलने उतरेगी। 1983 में कपिल देव की कप्तानी में मिली पहली वर्ल्ड कप जीत से शुरू हुआ यह सफर भारत को अब तक 7 ट्रॉफियां दिला चुका है। आईसीसी टूर्नामेंट्स (वनडे वर्ल्ड कप + चैंपियंस ट्रॉफी + टी-20 वर्ल्ड कप + वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप) में ऑस्ट्रेलिया सबसे सफल टीम है, जिसने 14 फाइनल में से 10 ट्रॉफियां जीती हैं।

पड़ोसी देशों पर अब कोई हमले नहीं करेगा ईरान

राष्ट्रपति पेजेशकियन ने किया वादा, मांगी भी माफी

तेहरान (एजेंसी)। ईरानी राष्ट्रपाति पेजेशकियन ने कहा कि सैन्य बलों को एक आदेश दिया गया है। अब से, पड़ोसी देशों पर तब तक हमला न करें जब तक कि उन पर पहले हमला न हो। जो लोग इस मौके का फायदा उठाकर ईरान पर हमला करने की सोच रहे हैं, उन्हें साम्राज्यवाद की कठपुतली नहीं बनना चाहिए। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने पड़ोसी देशों से माफी मांगते हुए कहा है कि अब ईरान उन देशों पर हमला नहीं करेगा। पेजेशकियान ने ईरान के सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक वीडियो संदेश में कहा,मुझे लगता है कि उन पड़ोसी देशों से माफी मांगना जरूरी है जिन पर हमला हुआ है। उन्होंने कहा, हमारा पड़ोसी देशों पर हमला करने का कोई इरादा नहीं है। हम शांति और सुकून कायम करने के लिए इलाके में सहयोग की अपील करते हैं। पेजेशकियन ने कहा, सैन्य बलों को एक आदेश दिया गया है। अब से, पड़ोसी देशों पर तब तक हमला न करें जब तक कि उन पर पहले हमला न हो।

- **सऊदी अरब ने दी थी ईरान को चेतावनी-** इससे पहले, सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान ने देश के सैन्य ठिकानों और तेल केंद्रों पर हुए सिलसिलेवार मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद ईरान को गलतफहमी और गलत आंकलन से बचने की कड़ी चेतावनी दी थी। सऊदी रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बयान जारी कर बताया कि अमेरिकी सैन्य कर्मियों की मौजूदगी वाले एक एयर बेस और एक प्रमुख तेल क्षेत्र को निशाना बनाकर किये गये हमलों को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, राजधानी रियाद के दक्षिण-पूर्व स्थित प्रिंस सुल्तान एयर बेस की ओर दागी गयी एक बैलिस्टिक मिसाइल को बीच में ही रोककर नष्ट कर दिया गया। सऊदी प्रेस एजेंसी ने मंत्रालय के प्रवक्ता के हवाले से पुष्टि की है कि इसी एयर बेस पर एक और मिसाइल हमला हुआ, जिसे भी विफल कर दिया गया।

संकट में भारत को मिला ऑस्ट्रेलिया और कनाडा का साथ

भारत में अतिरिक्त गैस सप्लाई के लिए बढ़ा दिया अपना हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान पर इजरायल और अमेरिका के हमले के बाद मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ गया है। इससे भारत समेत कई देशों को क्रूड ऑयल और गैस की दिक्कत हो सकती है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति बाधित होने की आशंका के बीच भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए नए विकल्प तलाश रहा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार ऑस्ट्रेलिया, कनाडा समेत कई देशों ने भारत को अतिरिक्त गैस सप्लाई की पेशकश की है। सूत्रों ने कहा मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति अब किसी एक समुद्री मार्ग पर निर्भर नहीं है। एक ही समुद्री मार्ग पर निर्भरता के दिन अब लद चुके हैं। भारत जितना तेल आयात करता है, उसका करीब आधा हिस्सा हॉर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। बाकी का क्रूड ऑयल अन्य मार्गों से आता है, जो अभी प्रभावित नहीं हैं।

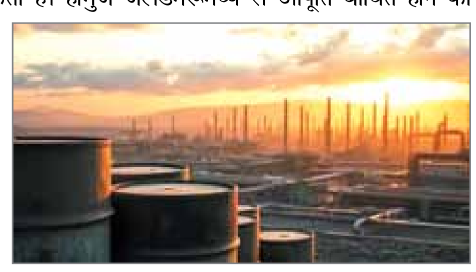

अमेरिका और यूएई के साथ नए समझौते

भारत ने हाल ही में अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे साझेदार देशों के साथ भी नई ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्थाएं की हैं। इसका मकसद है कि लंबी अवधि के लिए स्थिर सप्लाई सुनिश्चित हो सके। पिछले दस वर्षों में भारत ने अपनी तेल आपूर्ति के स्रोत 27 देशों से बढ़ाकर 40 देशों तक कर दिए हैं, जो छह महाद्वीपों में फैले हुए हैं। वैश्विक संकट के कारण पिछले कुछ दिनों में क्रूड ऑयल की कीमत करीब 15 फीसदी बढ़ गई है। इसके बावजूद भारत में ईंधन कीमतों में अपेक्षाकृत कम वृद्धि हुई है। पाकिस्तान में पेट्रोल कीमतें लगभग 55 फीसदी बढ़ गई हैं। वहीं जर्मनी में 22,फ्रांस में 19 फीसदी और अमेरिका में 11 फीसदी से ज्यादा उछाल आया है।

राज्यसभा चुनाव में विपक्ष का समीकरण बिगाड़ेगी भाजपा

- बनाया बड़ा प्लान,कांग्रेस को फिर लग सकता है तगड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा की दस राज्यों की 37 सीटों में केवल तीन राज्यों की 11 सीटों के लिए ही मतदान होगा। इनमें बिहार की पांच, ओडिशा की चार एवं हरियाणा की दो सीट शामिल हैं। अन्य राज्यों में निर्विरोध निर्वाचन लगभग तय है। इस बीच भाजपा ने ओडिशा में बीजू जनता दल और हरियाणा में कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। वहीं, बिहार में राजद और एनडीए में एक सीट के लिए कड़ा मुकाबला हो सकता है। ओडिशा में भाजपा दो और बीजद एक सीट जीत सकती है, लेकिन चौथी सीट पर भाजपा समर्थित निर्दलीय दिलीप राय और बीजद के दत्तेश्वर होता में सीधा मुकाबला है। जीत के लिए 30 वोट चाहिए। भाजपा के पास अपने 79 और तीन निर्दलीय का समर्थन है। यानी तीसरे प्रत्याशी के लिए 22 वोट बचे हैं। ऐसे में दिलीप रे के लिए आठ वोट और चाहिए। वहीं बीजद के 48 विधायक हैं उसे दूसरी सीट के लिए 12 वोट चाहिए।

अब भारत बनेगा राफेल का सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब

फ्रांस के बाहर बड़ी उपलब्धि, डसॉल्ट ने बताया प्लान

पेरिस (एजेंसी)। राफेल फाइटर जेट बनाने वाली फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन ने पुष्टि कर दी है कि फ्रांस के बाहर प्रोडक्शन लाइन बनाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। इसके अलावा डसॉल्ट ने कहा है कि राफेल फाइटर की प्रोडक्शन क्षमता को भी साल 2029 तक हर महीने बढाकर 4 करने का लक्ष्य रखा गया है। डसॉल्ट एविएशन के सीईओ एरिक ट्रैपियर ने 4 मार्च को कहा है कि वह धीरे-धीरे राफेल फाइटर का प्रोडक्शन रेट बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि 2029 तक हर महीने चार राफेल बनाने का लक्ष्य है लेकिन उसे बढ़ाकर पांच करने पर भी विचार चल रहा है। पिछले कुछ सालों में यह बढ़ोतरी एक्सपोर्ट सेल्स को सपोर्ट कर रही है, और कंपनी को और ऑर्डर पूरे करने के लिए तैयार कर रही है। इस बीच, डसॉल्ट देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत में फाइटर की बड़ी सब-असेंबली बनाने के लिए तैयार हो रहा है। चूंकि एयरफ्रेमर दक्षिण एशियाई देश के साथ एक और बड़े कॉन्ट्रैक्ट की प्लानिंग कर रहा है, इसलिए वह और भी ज्यादा लोकल प्रोडक्शन के लिए तैयारी कर रहा है।

लोग केरल स्टोरी-2 नहीं देख रहे, ये अच्छी खबर

राहुल बोले-फिल्मों और मीडिया का इस्तेमाल प्रोपेगैंडा के लिए हो रहा

इडुक्की (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि फिल्म केरल स्टोरी-2 गोज बियॉन्ड को ज्यादा लोग नहीं देख रहे हैं और यह अच्छी खबर है। उन्होंने कहा कि फिल्मों, टीवी और मीडिया का इस्तेमाल तेजी से प्रोपेगैंडा के रूप में किया जा रहा है। केरल में इडुक्की के कुट्टिकनम स्थित मैरियन कॉलेज में शुक्रवार को छात्रों से बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने यह टिप्पणी की। एक छात्र ने फिल्मों के प्रोपेगैंडा के रूप में इस्तेमाल किए जाने पर

सवाल पूछा था। इस पर गांधी ने कहा- अच्छी खबर यह है कि केरल स्टोरी खोखली लगती है और लोग इसे देखने नहीं जा रहे हैं। इससे यह भी पता चलता है कि बहुत से लोग केरल और उसकी परंपराओं व संस्कृति को ठीक से नहीं समझ पाए हैं। उन्होंने कहा कि आज फिल्मों, टेलीविजन और मीडिया को तेजी से नफरत फैलाने का हथियार बनाया जा रहा है। इनका इस्तेमाल लोगों को बदनाम करने, उन्हें खत्म करने और समाज में फूट डालने के लिए किया जाता है, ताकि कुछ लोगों को फायदा हो और दूसरों को नुकसान हो। **यूनिवर्सिटी में आरएसएस से जुड़े लोग-** देश की शिक्षा व्यवस्था पर एक खास विचारधारा का दबाव बढ़ रहा है। अगर आप यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर देखें तो उनमें से कई की नियुक्ति इसलिए हुई है क्योंकि वे आरएसएस या किसी खास विचारधारा से जुड़े हैं। शिक्षा को किसी एक सोच तक सीमित नहीं होना चाहिए। भारत अभी अमेरिका और चीन के स्तर तक नहीं पहुंचा है। यदि भारत एआई के क्षेत्र में मजबूत बनना चाहता है, तो उसे अपने डेटा पर नियंत्रण रखना होगा। अमेरिका को वैश्विक डेटा तक व्यापक पहुंच है, जबकि चीन अपना डेटा खुद नियंत्रित करता है, जिससे एआई में उसकी स्थिति मजबूत होती है। ऊपर से देखने पर वेस्ट एशिया में चल रहा तनाव अमेरिका और इजराइल बनाम ईरान का संघर्ष लगता है, लेकिन बड़े जियोपॉलिटिकल खिलाड़ी उलझेंगे।

भारत में छात्रों का 'लोन वुल्फ' नेटवर्क बनाने का प्लान

देश में जैश-ए-मोहम्मद की साजिश का हो गया भंडाफोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। जैश ए मोहम्मद के फरीदाबाद मॉड्यूल मामले की जांच में खुलासा हुआ है कि आतंकी संगठन ने एक मेडिकल संस्थान में घुसपैठ कर डॉक्टरों को भारत में हमले करने के लिए अपने साथ जोड़ लिया था। जांच एजेंसियों के अनुसार इस व्हाइट-कॉलर मॉड्यूल ने करीब 2500 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट जुटा लिया था और दिल्ली और आसपास के इलाकों में कई हमले करने की योजना बनाई थी। खुफिया एजेंसियों को अब एक और साजिश का पता चला है, जिसमें जैश ए मोहम्मद स्कूलों और कॉलेजों में घुसपैठ कर छात्रों को कट्टरपंथ की ओर मोड़ने की योजना बना रहा था। आतंकी संगठन अपने प्रचार सामग्री के जरिए कुछ छात्रों को भर्ती करने की कोशिश कर रहा है, ताकि वे अपने दोस्तों के बीच भी उसकी

विचारधारा फैलाएं। एक अधिकारी ने बताया कि छात्रों को शामिल करने की यह रणनीति दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है। ऐसी रणनीति पहले जैश ए मोहम्मद और लश्कर ए तैयबा की ओर से पाकिस्तान में अपनाई जा चुकी है और अब इसे भारत में लागू करने की कोशिश की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, कम उम्र में छात्रों को कट्टरपंथ की ओर मोड़ने से इन संगठनों को लंबे समय में फायदा होता है। जब ये छात्र 20-25 साल की उम्र तक पहुंचते हैं तो वे इतने कट्टर बन चुके होते हैं कि देशभर में हमले करने के लिए तैयार हो जाते हैं। इस बीच महाराष्ट्र एटीएस ने इस सप्ताह मुंबई से एक छात्र को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान अयान शेख के रूप में हुई है।

धीरे-धीरे युवाओं को जोड़ रहा था ये संगठन

अधिकारियों के अनुसार संगठन जल्दबाजी में बड़ी संख्या में भर्ती नहीं करना चाहता, बल्कि अगले 5 से 10 वर्षों की योजना बनाकर धीरे-धीरे युवाओं को जोड़ रहा है, ताकि समय-समय पर हमले करने के लिए उसके पास पर्याप्त लोग मौजूद रहें। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इस योजना में बड़े मॉड्यूल बनाने के बजाय 'लोन वुल्फ' या दो लोगों की छोटी टीम पर जोर दिया जा रहा है।

फरीदाबाद मॉड्यूल से साजिश का खुलासा

फरीदाबाद मामले से संगठन ने यह सीखा कि बड़े मॉड्यूल में ज्यादा लोगों के शामिल होने से संचार ट्रैक होने का खतरा बढ़ जाता है और मॉड्यूल का पर्दाफाश हो सकता है। इसलिए छात्र मॉड्यूल में हमलावरों को अकेले या 'बडी पेयर' के रूप में काम करने के लिए तैयार किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

हाजीपुर में रोड एक्सीडेंट में युवक की मौत, कुत्तों के झुंड का पीछा करने से बाइक बेकाबू हुई

हाजीपुर। हाजीपुर औद्योगिक थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक सचिन कुमार की मौत हो गई। यह घटना देर रात करीब 11 बजे वास्तु बिहार फेज वन के अंदर हुई।मृतक की पहचान जंदाहा थाना क्षेत्र के खोपी गांव निवासी के रूप में हुई है। घटना सीसीटीवी में कैद हुई है। फुटेज में दिख रहा है कि रात करीब 11 बजे वास्तु बिहार फेज वन के अंदर एक चलती कार का कुत्तों का झुंड पीछा कर रहा था। इसी दौरान एक बाइक आ गई और कुत्ते कार को छोड़कर बाइक के पीछे दौड़ने लगे।इससे बाइक चालक अपना संतुलन खो बैठा और कार से टकराकर सड़क पर गिर गया,जिससे सचिन कुमार की मौत हो गई। मृतक सचिन कुमार अमरनाथ सिंह के पुत्र थे और अविवाहित थे। वह दो भाई-बहनों में सबसे बड़े थे। फिलहाल,वह हाजीपुर औद्योगिक थाना क्षेत्र के वास्तु बिहार फेज वन में किराए के मकान में रहते थे। परिजनों ने सचिन की मौत को संदिग्ध बताया है और पुलिस से निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। मृतक के चाचा पिंटू कुमार सिंह ने बताया कि उन्हें कोलकाता से फोन पर सड़क हादसे में सचिन के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना मिली थी। जब वे अस्पताल पहुंचे,तो उन्हें सचिन की मौत की जानकारी मिली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है। मृतक के फूफा श्याम सुंदर सिंह ने बताया कि सचिन अपने पूरे परिवार के साथ वास्तु बिहार फेज वन में रहता था। घटना के दिन वह अपने तीन दोस्तों के साथ घर से निकला था। श्याम सुंदर सिंह के अनुसार, सचिन गाड़ी में बीच में बैठा था,जबकि उसके आगे और पीछे बैठे दोस्त सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि मौत कैसे हुई, यह स्पष्ट नहीं है और वे इसे संदिग्ध मानते हैं। उन्होंने पुलिस से जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में औद्योगिक थाना अध्यक्ष अरविंद पासवान ने बताया कि प्रारंभिक जांच में कुत्ते के पीछा करने से बाइक से गिरकर मौत हुई है। उन्होंने कहा कि घटना स्थल के पास सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई है,जिसमें घटना अस्पष्ट दिखाई दे रही है।

पुलिस उप-निरीक्षक सुमनजी झा सेवा से बर्खास्त, भ्रष्टाचार और बरामद सोना-नगदी गायब करने का आरोप

हाजीपुर। वैशाली में पुलिस उप-निरीक्षक सुमनजी झा को भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के चलते आज 7 मार्च से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। उन पर रिश्वत लेने और बरामद सोने तथा अन्य बहुमूल्य सामग्री को जब्त सूची में पूरी तरह से न दिखाने का आरोप था। सुमनजी झा वर्तमान में वैशाली जिले में पदस्थापित थे। यह कार्रवाई निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार, पटना में पवन कुमार नामक एक शिकायतकर्ता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद शुरू हुई। शिकायत के सत्यापन में भ्रष्टाचार के आरोप सही पाए गए। इसके उपरांत, निगरानी थाना कांड संख्या 08/24, दिनांक 04.09.2024 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित अधिनियम, 2018) की धारा 7 (ए) के तहत सुमनजी झा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। 4 सितंबर 2024 को सुमनजी झा को सिवाईपट्टी थाना क्षेत्र के बंधारा बाजार के पास परिवादी से 11,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया था। इस आरोप के संबंध में उनके विरुद्ध मुजफ्फरपुर जिला में विभागीय कार्यवाही संख्या 39/24 शुरू की गई। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पूर्वी-2, मुजफ्फरपुर, मनोज कुमार सिंह को इसका संचालन अधिकारी नियुक्त किया गया था। विभागीय जांच के बाद संचालन अधिकारी ने सुमनजी झा को रिश्वत के आरोप में दोषी पाया। इसी क्रम में, सुमनजी झा के खिलाफ लालगंज थानांतर्गत लगभग 1.5 किलोग्राम सोना और अन्य बहुमूल्य सामग्री/नकदी को जब्त सूची में पूरी तरह से न दिखाने के आरोप में एक और प्राथमिकी दर्ज की गई। यह लालगंज थाना कांड संख्या 11/26, दिनांक 05.01.2026 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धाराओं के तहत दर्ज हुई। इस मामले में अलग से विभागीय कार्यवाही 10/26 भी शुरू की गई है। पुलिस विभाग एक अनुशासित संगठन है। विभाग का मानना है कि भ्रष्टाचार में संलिप्त पुलिस अधिकारियों या कर्मियों का सेवा में बने रहना आम जनता और संगठन के अन्य पुलिस कर्मियों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उक्त सभी आरोपों की गहन समीक्षा और जांच प्राधिकार के मंतव्य से सहमत होते हुए, सुमनजी झा को 7 मार्च 2026 से सेवा से बर्खास्त करने का अंतिम निर्णय लिया गया।

जुड़ावनपुर फायरिंग मामले में चार गिरफ्तार, आपसी विवाद के बाद हुई थी घटना, खोखा- जिंदा कारतूस बरामद

हाजीपुर। वैशाली जिले के जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र में हुई फायरिंग की घटना के संबंध में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना 4 मार्च 2026 को शिवनगर इकौना में आपसी विवाद के चलते हुई थी। पुलिस के अनुसार, इस वारदात को दो बाइकों पर सवार चार लोगों ने अंजाम दिया था। घटना की सूचना मिलते ही जुड़ावनपुर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस ने घटनास्थल से एक खाली कारतूस (खोखा) और एक जिंदा कारतूस बरामद किया। इसके बाद विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर घटना में शामिल सभी चारों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में जुड़ावनपुर थाना में कांड संख्या 42/26 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान धर्मेंद्र कुमार उर्फ भुला , रामाधार राय , प्रमोद राय उर्फ बोधि राय और नंदलाल राय के रूप में हुई है। ये सभी जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र, वैशाली जिले के निवासी हैं।

सड़क किनारे मिले बच्चे के शव की हुई पहचान, 25 फरवरी को बीमारी से हुई थी मौत, मां-नानी ने फेंका बॉडी

हाजीपुर। वैशाली जिले के सदर थाना क्षेत्र के रजौली गांव में 3 मार्च को सड़क किनारे मिले अज्ञात शिशु के शव की पहचान हो गई है। मृतक की पहचान गुड्डू सिंह के 3 वर्षीय पुत्र अंश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि बच्चे की मां और नानी ने ही उसका शव सड़क किनारे फेंका था। सदर थाना पुलिस के अनुसार, बच्चा लगातार बीमार रहता था और परिजन उसके इलाज में असमर्थ थे। 25 फरवरी को बच्चे की मौत उसकी नानी के घर महुआ थाना क्षेत्र के सूरजपुर में हो गई थी। बच्चे की मौत के बाद उसकी नानी और मां ने अंतिम संस्कार करने के बजाय शव को घर से लाकर रजौली गांव में सड़क किनारे फेंक दिया। पांच दिन बाद, 3 मार्च को स्थानीय लोगों की नजर शव पर पड़ी, जिसके बाद उन्होंने सदर थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। पुलिस लगातार बच्चे की पहचान करने में जुटी थी। जब स्थानीय लोगों ने खबर देखी, तो उन्होंने पुलिस को बताया कि यह बच्चा महुआ थाना क्षेत्र के सूरजपुर निवासी अशोक पांडे का नाती है। पुलिस ने परिजनों से संपर्क किया। बच्चे की नानी ने बताया कि जन्म से ही बच्चा पैरालिसिस का शिकार था और वे उसके इलाज में असमर्थ थे। 25 फरवरी को उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने नानी से आवेदन प्राप्त कर शव परिजनों को सौंप दिया है। हालांकि, स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि बच्चे की मौत के बाद मां और नानी ने मानवता को शर्मसार किया है। यदि वे अंतिम संस्कार में असमर्थ थे, तो उन्हें स्थानीय लोगों से मदद मांगनी चाहिए थी, न कि शव को सड़क किनारे फेंकना चाहिए था।

अवैध बैनर-पोस्टर लगाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : विजय सिन्हा

एजेंसी, पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री सह नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शनिवार को कहा कि राज्य में अवैध बैनर और पोस्टर लगाने वाले विज्ञापनकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों से विभाग आर्थिक अपराधियों की तरह निपटेगा, क्योंकि ये संगठित तरीके से सरकार को राजस्व की हानि पहुंचा रहे हैं। विजय सिन्हा ने कहा कि राज्य के विभिन्न शहरों में कुछ लोग सिंडिकेट बनाकर अवैध होर्डिंग और बैनर लगाकर सरकार के राजस्व को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जब विभाग इनके खिलाफ कार्रवाई करता है तो ये लोग आजीविका का हवाला देकर न्यायालय की शरण में चले जाते हैं। उन्होंने बताया कि विभाग की सख्ती के बाद राज्य के 38 जिलों के 264 नगर निकायों में 11 हजार से अधिक अवैध होर्डिंग के मामलों में करीब 20 लाख रुपये की दंड राशि वसूली की जा चुकी है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भागलपुर नगर निगम ने अवैध होर्डिंग के मामले में 10 प्रतिष्ठानों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है और 19 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला है। दरभंगा नगर निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध होर्डिंग हटाकर उससे संबंधित सामान जब्त कर लिया है। वहीं मुजफ्फरपुर नगर निगम क्षेत्र में करीब 55 अवैध होर्डिंग हटाए गए हैं। बेगूसराय नगर निगम में सात अवैध होर्डिंग हटाए गए हैं और 71 अवैध होर्डिंग के खिलाफ नोटिस जारी किया गया है। कटिहार नगर निगम ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए होर्डिंग लगाने को लेकर लगभग 25 लाख 75 हजार रुपये का एकरारनामा किया है।

पटना नगर निगम क्षेत्र में भी अवैध होर्डिंग के खिलाफ अभियान तेज किया गया है। अब तक 200 से अधिक अवैध होर्डिंग हटाए जा चुके हैं, जबकि 250 से अधिक होर्डिंग को हटाने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। सबसे अधिक पाटलिपुत्र अंचल में 59 अवैध होर्डिंग हटाए गए हैं, जबकि कंकड़बाग अंचल में 89 अवैध होर्डिंग के खिलाफ नोटिस जारी किए गए हैं। शहर के सौंदर्यीकरण, यातायात सुगमता और जन-सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निगम के सभी छह अंचलों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

नगर निगम क्षेत्र में बिना अनुमति सार्वजनिक स्थलों, सड़कों के किनारे, विद्युत पोल, सरकारी परिसरों और निजी भवनों पर लगाए गए विज्ञापन सामग्री, यूनिपोल और होर्डिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। निजी भवनों की छतों और दीवारों पर लगाए गए अवैध होर्डिंग को हटाने के लिए नोटिस जारी किए जा रहे हैं और जिन एजेंसियों पर बकाया है, उन्हें जल्द भुगतान करने का निर्देश दिया गया है।

विज्ञापन एजेंसियों को नोटिस जारीः उपमुख्यमंत्री के निर्देश के बाद पटना नगर निगम ने राजस्व वसूली को लेकर सख्त रुख अपनाया है। शहर की 54 विज्ञापन एजेंसियों पर निगम का भारी बकाया है, जिसे जमा करने के लिए नोटिस भेज दिया गया है। आंकड़ों के अनुसार विज्ञापन मद में कुल 107.12 करोड़ रुपये की बकाया राशि है।

राबड़ी बोलीं- मुख्यमंत्री को जबरदस्ती हटाया जा रहा

एजेंसी, पटना

♦ बिहार नहीं छोड़ना चाहिए, कल 1 बजे जदयू जॉइन करेंगे निशांत, मंत्री बोले-जब तक नीतीश, तब तक शराबबंदी

दिल्ली में रूटीन चेकअप के बाद लालू प्रसाद और राबड़ी देवी शनिवार को पटना पहुंचे। राबड़ी देवी ने कहा, 'मुख्यमंत्री को जबरदस्ती हटाया जा रहा है। उनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई है। बिहार छोड़कर नहीं जाना चाहिए। नीतीश कुमार को बिहार में ही रहकर काम करना चाहिए और मुख्यमंत्री पद पर बने रहना चाहिए।' इधर, बिहार में जारी सियासी उठापटक के बीच नीतीश कुमार राजभवन पहुंचे। करीब 10 मिनट तक उन्होंने आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि विदाई प्रोटोकॉल के तहत नीतीश कुमार उनसे मिलने पहुंचे थे। उपेंद्र कुशवाहा ने CM हाउस में नीतीश कुमार से मुलाकात की है। इस दौरान उनसे साथ संजय झा भी मौजूद थे।

इधर, पॉलिटिकल पारी शुरू करने से पहले नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार एक्टिव हो गए हैं। शुक्रवार को उन्होंने जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा के आवास पर लगभग 24 विधायकों के साथ बैठक की। जिसमें परिवहन मंत्री श्रवण कुमार समेत कई वरिष्ठ नेता और युवा विधायक भी शामिल हुए। बैठक के बाद संजय झा ने बताया कि निशांत कुमार कल 1 बजे जदयू जॉइन करेंगे।

वहीं बिहारशरीफ में मंत्री श्रवण कुमार ने आज शराबबंदी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जब तक नीतीश कुमार हैं, बिहार में शराबबंदी नहीं हटेगी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 10 से 14 मार्च के बीच इस्तीफा दे सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक उनके राज्यसभा में नामांकन भरने के बाद नए सीएम को लेकर भाजपा और JDU के बीच चर्चा जारी है। इधर शुक्रवार को CM हाउस में मुख्यमंत्री की JDU विधायकों और मंत्रियों के साथ बैठक हुई।

पटना हाई कोर्ट के आदेश का भी असर नहीं

एजेंसी, पटना

❐ राजीव नगर में आवास बोर्ड की जमीन पर कब्जा जारी, शिकायत महज पुलिस के लिए खानापूर्ति

पटना के राजीव नगर इलाके में आवास बोर्ड की जमीन पर निर्माण कार्य जारी है। इसमें बहुत सारी ऐसी प्लॉट हैं, जिनके बारे में आवास बोर्ड की ओर से पहले ही थाने में शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है। इसके बावजूद इन प्लॉट पर निर्माण कार्य जारी है। आवास बोर्ड की सहायक अभियंता ने भी राजीव नगर थाने की पुलिस पर सवाल खड़े किए हैं। उनका आरोप है कि राजीव नगर थाने की पुलिस की रवैए भी इस तरीके के मामले में ठीक नहीं है।

आवास बोर्ड की जमीन पर काम जारीः सहायक अभियंता जियाउल हसन ने बताया कि, 'रोस्टर ड्यूटी के मुताबिक निरीक्षण करने राजीव नगर पहुंचे थे। तीन जगहों पर अवैध तरीके से निर्माण चल रहा था। बार-बार समझाने के बावजूद भी वह लोग नहीं माने। इसमें से कुछ प्लॉट ऐसे थे, जिनके ऊपर पहले से ही राजीव नगर थाने में शिकायत दर्ज है। बावजूद इसके निर्माण कराए जा रहे थे।' सहायक अभियंता जियाउल हसन के मुताबिक, राजीव नगर थाने पर पहुंचकर जब उन्होंने शिकायत की तो FIR नहीं दर्ज की गई और ना रिसीविंग मिली। उनका आरोप है कि पुलिस कर्मियों ने आवेदन लेने से इनकार कर दिया। आवेदन में सुधार करने के नाम पर घंटों टालमटोल करते रहे। फिर आवास बोर्ड की ओर से की जा रही है, लेकिन काम नहीं रुक रहा है।

जेडीयू के पूर्व विधायक के घर चोरी, सीएम नीतीश की पार्टी मीटिंग में व्यस्त थे नेताजी

एजेंसी, पटना

पटना के शास्त्रीनगर थाना अंतर्गत सहदेव पथ मार्ग स्थित जेडीयू के पूर्व विधायक प्रभात रंजन सिंह के घर में चोरी की वारदात हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर शास्त्रीनगर थाने की पुलिस पहुंची और छानबीन में जुट गई है। SDPO 2 साकेत कुमार ने बताया कि, एफएसएल की टीम भी बुलाई गई है। टावर डंप वगैरह लिया जा रहा है। होली के चलते सभी घर गए थे। इसी दौरान घर खाली पाकर अज्ञात चोरों ने घटना को अंजाम दिया है। सीसीटीवी फुटेज वगैरा भी देखा जा रहा है। फिलहाल 35000 से 40000, डॉक्यूमेंट वगैरह मिसिंग हैं।

जदयू पार्टी मीटिंग में गए नेताजी, सूने घर में चोरीः पूर्व विधायक प्रभात रंजन सिंह ने बताया कि, होली के चलते सभी लोग बगहा स्थित पैतृक गांव गए थे। इसी दौरान यह घटना हुई है। 6 मार्च को पार्टी मीटिंग के चलते पटना आए। वर्तमान में जदयू का जिला अध्यक्ष हूं। मीटिंग अटेंड करने के बाद रात में लगभग 9:30 बजे फ्लैट पर सोने के लिए आया तो देखा कि मेन गेट कैंपस का बंद है, लेकिन ऊपर जब अपने फ्लैट में गए तो गेट का लॉक टूटा था और रूम में सामान वगैरह बिखरे पड़े थे।

50 हजार कैश सहित गहने चोरी

करीब 50 हजार कैश, गहने और डाक्यूमेंट्स गायब हैं- प्रभात रंजन सिंहः इसके बाद डायल 112 और पुलिस को खबर की गई। कमरे से करीब 40 से 50 हजार रुपए कैश, सोने-चांदी के कुछ गहने और जरूरत के डाक्यूमेंट्स गायब हैं। डॉक्यूमेंट में बेटे की मार्कशीट जमीन के दस्तावेज, पेंशन बुक, पासबुक वगैरह गायब हैं।

बच्चे रहकर करते हैं पढ़ाई- प्रभात रंजन सिंहः प्रभात रंजन सिंह ने बताया कि फ्लैट में परिवार और बच्चे रहकर पढ़ाई करते हैं। मैं पॉलीटिकल एक्टिविटी में लगा रहता हूं। अधिकतर समय अपने क्षेत्र बगहा में बितता है। कभी कभार पार्टी मीटिंग के लिए पटना भी आना होता है। कल मुख्यमंत्री जी की ओर से बैठक बुलाई गई थी और बहुत सारी हैपनिंग पार्टी के अंदर चल रही थी। इसी में शामिल होने पटना आया था। फ्लैट पर पहुंचने के बाद घटना के बारे में जानकारी मिली। फ्लैट की देखरेख करने वाले केयरटेकर रखे गए हैं। उनसे भी हम लोग घटना के बारे में जानने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल, मैंने अपनी शिकायत दर्ज करा दी है।

पीयू छात्र संघ अध्यक्ष को राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिल्ली बुलाया

♦ एनएसयूआई को पूरे बिहार में फैलाने के निर्देश, विनोद जाखड़ बोले-चुनाव में किए वादे पूरा करें

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी छात्रसंघ चुनाव में नवनिर्वाचित NSUI के अध्यक्ष शांतनु शेखर को NSUI के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने दिल्ली बुलाया था। उन्होंने शांतनु को सम्मानित किया और संविधान की एक कॉपी भी दी। इस दौरान उन्होंने शांतनु को छात्रों के हित में काम करने के निर्देश दिए। जो भी वादे चुनाव के दौरान किए गए हैं, उसे पूरा करने को कहा। उन्होंने सबको साथ लेकर चलने की बात कही है, ताकि बिहार में एनएसयूआई छात्र संगठन और मजबूत हो। इस दौरान महासचिव खुशी कुमारी और अन्य प्रत्याशी भी मौजूद रहे।

शिक्षा और युवाओं के मुद्दों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं करेंगे- विनोद जाखड़ः विनोद जाखड़ ने कहा कि, 'पटना विश्वविद्यालय के छात्रों ने साफ संदेश दिया है कि शिक्षा और युवाओं के मुद्दों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। छात्र लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज़ बुलंद करते रहेंगे।'

शांतनु ने कहा कि, जिस दिन विनोद जाखड़ राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे, उसी दिन मैं पटना यूनिवर्सिटी का अध्यक्ष निर्वाचित हुआ था। उन्होंने हमें समझाया कि हमारे पास एक बड़ा अपॉर्चुनिटी है। हमें लोगों की हित के लिए काम करना है। NSUI के शांतनु शेखर ने अध्यक्ष पद पर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी छात्र जदयू के प्रिंस कुमार को 1496 वोटों से हराया। शांतनु को 2896, जबकि प्रिंस कुमार 1400 वोट मिले। महासचिव पद पर एनएसयूआई की खुशी कुमारी को जीत हासिल हुई। खुशी को 2164 वोट हासिल हुए। दूसरे स्थान पर छात्र राजद के प्रत्यूष राज को 1611 वोटों से संतोष करना पड़ा। खुशी ने 553 मतों से जीत दर्ज की।

प्रिया कुमारी ने यूपीएससी में 232वीं रैंक हासिल किया, फुलवारी शरीफ के महमदपुर गांव जश्न

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ के महमदपुर गांव की प्रिया कुमारी ने संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की परीक्षा में 232वीं रैंक हासिल की है। शुक्रवार को परिणाम घोषित होने के बाद उनके गांव में खुशी का माहौल है। प्रिया ने बताया कि इंटरव्यू के दौरान उनसे पूछा गया कि अगर उन्हें पटना का जिलाधिकारी बनाया जाए तो वे क्या काम करेंगी। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि वे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे अनियोजित कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से पूरा करने पर ध्यान देंगी। उन्होंने खासतौर पर जल निकासी व्यवस्था, बिजली प्रबंधन और गांवों के शहरीकरण पर काम करने की बात कही। प्रिया ने बताया कि इंटरव्यू के दौरान एक-दो सवाल ऐसे थे, जिनकी उन्हें उम्मीद नहीं थी, लेकिन उन्होंने शांत रहकर जवाब दिया।

आईपीएस बनकर करना चाहती हैं देश सेवाः प्रिया ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई DAV पब्लिक स्कूल वाल्मी से की। इसके बाद उन्होंने मास्टर्स की पढ़ाई पूरी की और साथ ही यूपीएससी की तैयारी जारी रखी। प्रिया कुमारी ने कहा कि अगर उन्हें मौका मिला तो वह आईपीएस बनकर देश की सेवा करना चाहती हैं।

माता-पिता ने जताया गर्वः पिता राम नारायण सिंह ने कहा कि उन्होंने कभी बेटा-बेटी में फर्क नहीं किया। उन्होंने हमेशा बच्चों की शिक्षा को सबसे अधिक महत्व दिया और अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की पढ़ाई पर खर्च किया।' मां सुजानती देवी ने कहा कि, 'हमने हमेशा अपनी बेटी को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया है।' उन्होंने समाज से अपील किया कि बेटियों को आगे बढ़ने की आजादी देनी चाहिए।'

परिवार में शिक्षा का माहौलः प्रिया अपने दो भाई-बहनों में सबसे बड़ी हैं। उनके छोटे भाई प्रिंस कुमार एमटेक करने के बाद Flipkart में मैकेनिकल इंजीनियर के रूप में बेंगलुरु में कार्यरत हैं। ग्रामीणों के अनुसार, प्रिया कुमारी अपने गांव की पहली लड़की हैं जिसने UPSC में सफलता हासिल की है। उनके पिता राम नारायण सिंह भारतीय रेल के सारण स्थित बेला दरियापुर रेल चक्का कारखाना में टेक्नीशियन ग्रेड-वन के पद पर कार्यरत हैं, जबकि उनकी मां सुजानती देवी प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका हैं। दादा विजय नारायण शर्मा राजस्व कर्मचारी के पद से सेवानिवृत्त हैं।

होली के बाद पटना जंक्शन पर उमड़ी प्रवासियों की भीड़

एजेंसी, पटना

होली का त्योहार खत्म होते ही बिहार से प्रवासी मजदूरों का अपने कार्यस्थलों की ओर लौटना शुरू हो गया है। इसका असर पटना जंक्शन पर साफ दिखाई दे रहा है। शुक्रवार शाम संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस और मगध एक्सप्रेस जैसी दिल्ली जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर पहुंचते ही सीट पाने के लिए यात्रियों में होड़ मच गई। कई यात्रियों को काफी मशक्कत के बाद ट्रेन में जगह मिल सकी। भीड़ इतनी अधिक थी कि कई डिब्बों में एक सीट पर तीन-तीन लोग बैठकर सफर करते नजर आए।

वैशाली के अमरजीत सिंह ने बताया कि वे दिल्ली में मार्बल और टाइल्स लगाने का काम करते हैं। होली की छुट्टी मनाने घर आए थे, लेकिन अब काम पर लौटना मजबूरी है। उन्होंने कहा कि इस समय ट्रेनों में काफी भीड़ है और उन्हें काफी कोशिश के बाद सीट मिल पाई। अमरजीत के मुताबिक, स्पेशल ट्रेनें अक्सर 20–25 घंटे तक लेट पहुंचती हैं, इसलिए उन्होंने संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस से सफर करना बेहतर समझा, क्योंकि यह ट्रेन आमतौर पर समय पर चलती है। होली के बाद यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दानापुर रेल मंडल ने विशेष तैयारियां की हैं। पटना और दानापुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं।

डेंगू को लेकर पटना नगर निगम अलर्ट फॉगिंग और एंटी-लार्वा का हो रहा छिड़काव

एजेंसी, पटना

♦ लकड़ी की कुन्नी और मोबिल से भगाया जाएगा मच्छर

पटना शहर में बदलते मौसम को देखते हुए मच्छरों की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है। इसे देखते हुए पटना नगर निगम अलर्ट मोड में आ गई है। शहर के विभिन्न इलाकों में लगातार सफाई, फॉगिंग और एंटी-लार्वा छिड़काव जैसे काम किए जा रहे हैं, ताकि मच्छरों के पनपने की संभावना को शुरुआती स्तर पर ही खत्म किया जा सके। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में मैनहोल और कैचपिट की नियमित सफाई सुनिश्चित करें। इसके साथ ही सफाई के दौरान एंटी-लार्वा दवा का छिड़काव अनिवार्य रूप से कराएं। ऐसा करने से मच्छरों के लार्वा को पनपने से पहले ही नष्ट किया जा सकेगा। शहर में जहां कहीं भी पानी के स्थिर होने की स्थिति देखी जा रही है, वहां विशेष उपाय अपनाए जा रहे हैं। लकड़ी के कुन्नी को कपड़े में बांधकर लगभग 10 सेंटीमीटर व्यास का गोला तैयार किया जा रहा है। इसे जले हुए मोबिल में भिंगोकर स्थिर पानी में चार से पांच की संख्या में डाला जा रहा है, ताकि पानी की सतह पर परत बन सके और मच्छरों के पनपने की संभावना कम हो। नगर निगम ने सभी क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की रिपोर्ट कंट्रोल रूम को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं। मच्छरों के प्रभावी नियंत्रण के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नियमित फॉगिंग कराई जा रही है। इसके साथ ही एंटी-लार्वा दवा का छिड़काव भी किया जा रहा है।

छिड़काव की निगरानी जियो-टैग फोटो के माध्यम से की जा रही है। इसके साथ ही जो रिपोर्ट मुख्यालय में समर्पित की जाएगी, उस रिपोर्ट पर स्थानीय नागरिकों द्वारा भी हस्ताक्षर किया जाएगा जिसका सत्यापन कंट्रोल रूम से भी किया जाएगा। नगर निगम के कर्मी शहर के अलग-अलग इलाकों में नालों की उड़ाही के साथ एंटी-लार्वा छिड़काव का कार्य कर रहे हैं, ताकि जलजमाव और मच्छरों के प्रजनन को रोका जा सके।

हेल्पलाइन सुविधाः नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने घरों और आसपास कूलर, पुराने टायर, गमलों और अन्य बर्तनों में पानी जमा न होने दें। यदि किसी क्षेत्र में फॉगिंग या एंटी-लार्वा छिड़काव की आवश्यकता हो, तो नागरिक नगर निगम के हेल्पलाइन नंबर 155304 पर संपर्क कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सीओ ने जनता दरबार में सुलझाए तीन पुराने विवाद

बीएनएम @ एकंगरसराय : अंचल कार्यालय में शनिवार को आयोजित जनता दरबार स्थानीय नागरिकों के लिए राहत भरा रहा, जहां अंचलाधिकारी (सीओ) विवेक कुमार ने सक्रियता दिखाते हुए लंबित मामलों का त्वरित निपटारा किया। दरबार में प्रस्तुत कुल पाँच आवेदनों में से तीन पुराने विवादों को दोनों पक्षों की आपसी सहमति और पारदर्शिता के साथ मौके पर ही सुलझा लिया गया। सीओ विवेक कुमार ने बताया कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य भूमि एवं अन्य स्थानीय विवादों को आपसी संवाद से हल करना है, ताकि आम जनता को कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें।शेष दो मामलों में एक पक्ष की अनुपस्थिति के कारण सुनवाई पूरी नहीं हो सकी, जिसके लिए प्रशासन ने आगामी 14 और 28 मार्च की तिथियां निर्धारित की हैं। त्वरित न्याय और अधिकारी के संवेदनशील रवैये को देख फरियादियों ने संतोष व्यक्त किया। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में भी प्रत्येक शनिवार को इस प्रकार के जनता दरबार का आयोजन जारी रहेगा, जिससे विवादों का बोझ कम हो और न्याय सुलभ बने।

जनता दरबार में 4 मामलों का ऑन-स्पॉट निपटारा

बीएनएम @रहुई (नालंदा) : भूमि विवाद से जुड़े मामलों के त्वरित समाधान को लेकर शनिवार को रहुई अंचल कार्यालय परिसर में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में अंचलाधिकारी मनोज कुमार की अध्यक्षता में रहुई, वेना और भागन बिगहा थाना के थानाध्यक्ष मौजूद रहे। जनता दरबार के दौरान कुल दो नए मामले प्राप्त हुए, जबकि पूर्व से 16 मामले लंबित थे। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की बात सुनते हुए कुल चार मामलों का निष्पादन किया गया। अंचलाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि जिन चार मामलों का निष्पादन किया गया है, उन्हें दोनों पक्षों की आपसी सहमति के आधार पर सुलझाया गया। उन्होंने कहा कि भूमि विवाद से जुड़े मामलों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है, ताकि लोगों को न्याय मिल सके। वहीं शेष बचे 14 मामलों की सुनवाई अगले आयोजित होने वाले जनता दरबार में की जाएगी।

माहुरी वैश्य समाज मनाएगा कुलदेवी का जन्मोत्सव

11 मार्च को प्रभातफेरी और 12 को होगा विशाल भंडारा

बीएनएम @ परवलपुर: परवलपुर के अंदर बाजार स्थित माहुरी धर्मशाला में शुक्रवार की शाम माहुरी वैश्य समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक कुलदेवी माँ मथुरासिनी की आगामी वार्षिक पूजा की तैयारियों को लेकर बुलाई गई थी। बैठक में समाज के सदस्यों ने माता की पूजा, भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम और विशाल भंडारे की विस्तृत रूपरेखा तैयार की। कार्यक्रम की सफलता के लिए उपस्थित लोगों के बीच विभिन्न जिम्मेदारियों और कार्यों का बँटवारा भी किया गया।समिति के सदस्य मिंटू कुमार के अनुसार, उत्सव का आगाज़ 11 मार्च को सुबह प्रभातफेरी के साथ होगा, जिसके बाद प्रतिमा स्थापना, विधि-विधान से पूजा और महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। 12 मार्च को दिन में भंडारा और शाम को भव्य देवी जागरण का आयोजन सुनिश्चित किया गया है। इस गौरवशाली आयोजन में क्षेत्र के मंत्रियों, सांसदों और विधायकों सहित कई जनप्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। समाज के महिला व पुरुष सदस्यों ने संकल्प लिया कि हर वर्ष की भाँति इस बार भी माँ मथुरासिनी की पूजा को हर्षोल्लास और भव्यता के साथ संपन्न किया जाएगा।

पावापुरी में 15 सदस्यीय पेंशनर तदर्थ समिति का हुआ गठन

अवधेश अध्यक्ष और रत्न प्रसाद चुने गए सचिव

बीएनएम @ गिरियक। पावापुरी में शनिवार को पेंशनर समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन की मजबूती और पेंशनभोगियों की समस्याओं के त्वरित समाधान पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हितों की रक्षा करना और संगठनात्मक गतिविधियों को सुचारु रूप से संचालित करना था। इस दौरान पर्यवेक्षक नवल किशोर पांडेय की देखरेख में सर्वसम्मति से एक नई तदर्थ समिति का गठन किया गया। नवगठित समिति में अवधेश प्रसाद सिंह को अध्यक्ष और रत्न प्रसाद सिंह को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही संगठन को और अधिक सक्रिय बनाने के लिए 15 सदस्यीय टीम तैयार की गई है, जो पेंशनरों से जुड़े सामाजिक और आर्थिक मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पेंशनर समाज के सदस्यों को एकजुट होना अनिवार्य है, ताकि संबंधित विभागों तक उनकी आवाज प्रभावी ढंग से पहुंच सके।बैठक में उपस्थित केदार प्रसाद सिंह, रामवृक्ष राम, और विद्या देवी सहित दर्जनों सदस्यों ने उम्मीद जताई कि नई समिति पेंशनरों के कल्याण के लिए ठोस पहल करेगी। सभी ने एक स्वर में संगठन की एकजुटता बनाए रखने और भविष्य में पेंशनरों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने का संकल्प लिया।

बीडीओ के पांच ठिकानों पर निगरानी की छापेमारी, आय से अधिक संपत्ति का आरोप

बीएनएम @ मोतिहारी/पटना @ राकेश कुमार

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में सीतामढ़ी जिले के सुरसंड प्रखंड के बीडीओ कृष्णा राम के कई ठिकानों पर शनिवार को छापेमारी की। निगरानी थाना कांड संख्या 29/26 के तहत उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। निगरानी विभाग के अनुसार बीडीओ कृष्णा राम पर लगभग 79 लाख 56 हजार 640 रुपये की आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है, जो उनकी ज्ञात आय से करीब 59.8 प्रतिशत अधिक बताई जा रही है। मामले की जांच के दौरान विशेष न्यायालय, निगरानी पटना से सर्च वारंट प्राप्त होने के बाद शनिवार को निगरानी की चार टीमों ने एक साथ छापेमारी की कार्रवाई शुरू की। यह कार्रवाई पूर्वी चम्पारण, सीतामढ़ी और पटना जिले के चार अलग-अलग ठिकानों पर की जा रही है। छापेमारी जिन स्थानों पर की जा रही है उनमें मोतिहारी के राजाबाजार मोहल्ले में स्थित किराये का आवास, सुरसंड प्रखंड में सरकारी आवास व कार्यालय, तुरकौलिया थाना क्षेत्र के ग्राम टिकैत में स्थित पैतृक आवास तथा पटना के लेखा नगर स्थित साई श्याम स्मृति सिटी अपार्टमेंट के फ्लैट संख्या 407 शामिल हैं। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के अधिकारियों के अनुसार तलाशी अभियान अभी जारी है। फिलहाल अब तक किसी बड़ी बरामदगी की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। अधिकारियों का कहना है कि तलाशी और अनुसंधान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही विस्तृत जानकारी सामने आएगी।

11 दिवसीय श्री रुद्र महायज्ञ की भव्य कलश-शोभा यात्रा, 11 हज़ार कन्याएं शामिल

बीएनएम @ रामगढ़वा

रामगढ़वा बाजार में आयोजित 11 दिवसीय श्री रुद्र महायज्ञ को लेकर शनिवार को भव्य कलश-शोभा यात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा यज्ञ के मुख्य आयोजक अयोध्या से आए संत सुजीत दास जी महाराज के नेतृत्व में निकली, जिसमें करीब 11 हजार कुंवारी कन्याओं ने भाग लिया। जलयात्रा में हाथी-घोड़े और वाहनों का लंबा काफिला शामिल रहा, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया। शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालु भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और ग्रामीण भी शामिल हुए। रामगढ़वा मेन रोड स्थित पुराना थाना के समीप आयोजित इस महायज्ञ के दौरान भव्य मेले का भी आयोजन किया गया है। श्रद्धालुओं के लिए बाहर से विद्वान कथा प्रवचकों को आमंत्रित किया गया है, जो प्रतिदिन धार्मिक प्रवचन करेंगे। यज्ञ के मुख्य आयोजक सुजीत दास जी महाराज ने बताया कि इस महायज्ञ का उद्देश्य विश्व कल्याण और समाज में आपसी भाईचारा स्थापित करना है। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से यज्ञ में यथाशक्ति सहयोग और दान देने का आह्वान किया। बताया जाता है कि सुजीत दास जी महाराज के द्वारा इसी स्थान पर पूर्व में भी भव्य यज्ञ का आयोजन कराया जा चुका है। जलयात्रा के अवसर पर यज्ञ समिति के अध्यक्ष रामबाबू गुप्ता, पूर्व मुखिया अर्जुन प्रसाद, सामाजिक कार्यकर्ता अरुण गुप्ता, सुरेंद्र पटेल, रवि यादव, संतोष पासवान, रंजीत पटेल, मुन्ना साह, विकास झा, डब्लू पांडेय सहित हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे।

सामाजिक कार्यकर्ता इश्तियाक आलम की ओर से दावते इफ़्तार का शानदार आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

सामाजिक समरसता और आपसी प्रेम को बढ़ावा देने तथा ईश्वर की कृपा प्राप्त करने के उद्देश्य से चंपारण के यूथ आइकॉन और सामाजिक कार्यकर्ता कामरेड इश्तियाक आलम की ओर से जिला के चकिया स्थित उनके पैतृक आवास कुअवां पर दावते इफ़्तार का भव्य आयोजन शनिवार को किया गया। इस अवसर पर लगभग पाँच सौ लोगों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कामरेड इश्तियाक आलम और कामरेड मुश्ताक आलम लॉकडाउन के समय से ही सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेते रहे हैं तथा जरूरतमंदों की हर संभव सहायता करते रहे हैं। इस इफ़्तार पार्टी के आयोजन में कामरेड मुश्ताक आलम, राष्ट्रीय जनता दल के नेता फ़रोग आलम जामी, सामाजिक कार्यकर्ता वसीम अख्तर, सामाजिक कार्यकर्ता चुन्नू नेता और हसरत अली ने अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर चकिया के प्रमुख चिकित्सक डॉ. एम. इलयास, जदयू नेता डॉ. आसिफ हुसैन, सामाजिक कार्यकर्ता एवं पत्रकार हामिद रज़ा, शाहिद रज़ा, शहाब आलम, मौलाना आदिल मिस्बाही, हाफ़िज़ नासिर साहब, मास्टर फारूक अंसारी सहित कई गणमान्य लोगों ने शिरकत की। दावते इफ़्तार में शामिल हुए रोज़ेदारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के प्रति कामरेड इश्तियाक आलम और कामरेड मुश्ताक आलम ने आभार व्यक्त किया।

युद्ध की खबरों के बीच पेट्रोल की कमी की अफवाह, पेट्रोल पंप पर उमड़ी भीड़

बीएनएम @ तुरकौलिया

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच युद्ध की खबरों के बीच तुरकौलिया क्षेत्र में पेट्रोल-डीजल की कमी की अफवाह फैल गई। बेलवाराय पंचायत में यह चर्चा फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण नरियरवा स्थित पेट्रोल पंप पर तेल लेने के लिए पहुंच गए। देखते ही देखते पेट्रोल पंप पर लंबी कतार लग गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जाता है कि अफवाह के कारण हजारों ग्रामीण पेट्रोल लेने के लिए पेट्रोल पंप पर उमड़ पड़े। भीड़ इतनी अधिक हो गई कि पेट्रोल पंप कर्मियों को व्यवस्था संभालने में परेशानी होने लगी। लाइन में खड़े कुछ लोगों का कहना था कि युद्ध के कारण आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, इसलिए पहले से ही तेल भरवाने के लिए पहुंचे हैं। वहीं कुछ लोगों का मानना था कि जल्द ही पेट्रोल की कीमत भी बढ़ सकती है। ग्रामीण इलाका होने के कारण कई लोग बोतल और गैलन में भी पेट्रोल लेने पहुंचे, जबकि बाइक सवार अपनी गाड़ियों की टंकी फुल करा रहे थे। हालांकि पेट्रोल पंप संचालक ने लोगों को समझाया कि पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है और सरकार द्वारा इसकी पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इसके बावजूद अफवाह के कारण लोग बड़ी मात्रा में तेल लेने पर अड़े रहे। पेट्रोल पंप संचालक ने बताया कि अफवाह फैलने के बाद से पेट्रोल की बिक्री अचानक चार गुना तक बढ़ गई है। यहां तक कि रात के समय भी लोग पेट्रोल पंप पर पहुंचकर तेल देने की सिफारिश कर रहे हैं। इधर अंचल अधिकारी संतोष कुमार ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

फेनहारा के लाल विवेक कुमार ने UPSC में पाई सफलता, 882वीं रैंक से बढ़ाया क्षेत्र का मान

बीएनएम @ मोतिहारी/पताही

पकड़ीदयाल अनुमंडल के फेनहारा प्रखंड के फेनहारा गांव के निवासी विवेक कुमार ने संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा में 882वीं रैंक हासिल कर अपने गांव, प्रखंड और जिले का मान बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। विवेक कुमार एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता अवधेश बैठा पेशे से शिक्षक हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद विवेक ने अपने लक्ष्य को पाने के लिए लगातार मेहनत और अनुशासन के साथ पढ़ाई की। उनकी लगन और संघर्ष का ही परिणाम है कि उन्होंने देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में शुमार सिविल सेवा परीक्षा में सफलता हासिल की। परिजनों के अनुसार विवेक बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रहे हैं। उनका सपना सिविल सेवा में जाकर देश और समाज की सेवा करना था। UPSC में सफलता हासिल कर उन्होंने अपने सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। विवेक की सफलता की खबर मिलते ही फेनहारा गांव सहित पूरे प्रखंड में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों ने मिठाई बांटकर और एक-दूसरे को बधाई देकर अपनी खुशी व्यक्त की। लोगों का कहना है कि विवेक की यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी और ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्र भी अब बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल करने के लिए प्रेरित होंगे। वहीं क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों और समाजसेवियों ने विवेक कुमार को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। लोगों का कहना है कि विवेक ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से न सिर्फ अपने परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

रामगढ़वा में भाजपा के चारों मंडलों की संयुक्त कार्यशाला, सांसद डॉ. संजय जायसवाल ने कार्यकर्ताओं को दिया जीत का मंत्र

बीएनएम @ रामगढ़वा

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के तहत भाजपा संगठन जिला रक्सौल के तत्वावधान में सुगौली के चारों मंडलों की संयुक्त कार्यशाला का आयोजन रामगढ़वा प्रखंड के बरियारपुर पंचायत में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि बेतिया सांसद डॉ. संजय जायसवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. संजय जायसवाल ने कहा कि पार्टी की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकर्ताओं में वैचारिक स्पष्टता और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता मजबूत होती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को घर-घर तक पहुँचाने का आह्वान किया। साथ ही संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। सांसद ने कहा कि आने वाले समय में संगठन के सामने कई चुनौतियां होंगी, जिनका सामना करने के लिए कार्यकर्ताओं का

वैचारिक रूप से मजबूत और सक्रिय होना जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अनुशासन और समर्पण के साथ संगठन विस्तार में जुटने का आह्वान किया। कार्यक्रम में रक्सौल जिला अध्यक्ष अशोक पांडे, प्रदीप सर्राफ, अवध पटेल, रिंटू मिश्रा, विकास शर्मा और पुष्पेंद्र तिवारी सहित कई वरिष्ठ नेता व पदाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं सुगौली पूर्वी मंडल अध्यक्ष मनोज सिंह के साथ चारों मंडलों के अध्यक्ष और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

मानदेय भुगतान में अनियमितता का मामला, वसूली का आदेश के बाद भी कार्रवाई नहीं

बीएनएम @ शिवहर

जिले के स्वास्थ्य विभाग में मानदेय भुगतान में कथित अनियमितता का मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक हलकों में हलचल मच गई है। जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी ने इस मामले में सिविल सर्जन, शिवहर को निर्देश दिया है कि पुरनहिया के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) से मानदेय मद में अवैध रूप से भुगतान की गई राशि की वसूली सुनिश्चित की जाए। बताया जाता है कि यह मामला पुरनहिया प्रखंड के दोस्तियां हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर से जुड़ा है। आरोप है कि यहां एक सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) की कथित रूप से नियमों के विरुद्ध बहाली कर दी गई और उन्हें लगातार 16 माह तक प्रति माह 32 हजार रुपये के हिसाब से मानदेय का भुगतान किया गया। इस भुगतान को लेकर विभागीय नियमों की अनदेखी किए जाने की बात सामने आई है। जानकारी के अनुसार इस मामले को लेकर बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 के तहत परिवाद दायर किया गया था। सुनवाई के दौरान अभिलेखों की जांच में कई अनियमितताएं सामने आईं। इसके बाद जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि अवैध रूप से भुगतान की गई राशि संबंधित अधिकारियों से वसूल की जाए।

हालांकि आदेश जारी हुए करीब एक पखवाड़ा बीत जाने के बाद भी सिविल सर्जन स्तर पर वसूली की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने की बात सामने आ रही है। इससे विभागीय कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। इधर, पूरे मामले को लेकर स्वास्थ्य विभाग में हलचल तेज हो गई है और प्रशासनिक स्तर पर भी इसकी गहन जांच की मांग उठने लगी है।

मुख्य बिंदु

- पुरनहिया के दोस्तियां हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर से जुड़ा मामला
- सीएचओ की कथित अवैध बहाली कर मानदेय भुगतान का आरोप
- 16 माह तक 32 हजार रुपये प्रतिमाह भुगतान का मामला
- लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी ने राशि वसूली का दिया आदेश
- आदेश के एक पखवाड़ा बाद भी कार्रवाई नहीं होने से उठे सवाल

आय से अधिक संपत्ति मामले में बीडीओ के घर निगरानी की छापेमारी

बीएनएम @ तुरकौलिया

आय से अधिक संपत्ति के मामले में निगरानी विभाग की टीम ने मंगलवार को बीडीओ कृष्णा राम के पैतृक आवास पर छापेमारी की। यह कार्रवाई तुरकौलिया थाना क्षेत्र के टिकैता गोविंदापुर पंचायत के टिकैता गांव स्थित उनके घर पर की गई। छापेमारी करीब पांच घंटे तक चली, जिसमें टीम ने घर में रखे दस्तावेजों और संपत्ति से जुड़े कागजातों की गहन जांच की। बताया जाता है कि कृष्णा राम फिलहाल सीतामढ़ी जिले के सुरसंड प्रखंड में प्रखंड विकास पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित हैं। उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में पहले से ही प्राथमिकी दर्ज है। इसी मामले में निगरानी विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की। निगरानी पुलिस उपाधीक्षक शिव कुमार साह ने बताया कि जांच के क्रम में घर के एक कमरे का ताला मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में तोड़ा गया। छापेमारी के दौरान प्रखंड कृषि पदाधिकारी को मजिस्ट्रेट के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया था। टीम में एसआई मनीष राज सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। जानकारी के अनुसार बीडीओ की पत्नी टिकैता गांव के ही मध्य विद्यालय में सरकारी शिक्षिका हैं और वह मोतिहारी के राजा बाजार स्थित आवास से प्रतिदिन स्कूल आती-जाती हैं। बताया जा रहा है कि मोतिहारी स्थित उनके आवास पर भी निगरानी टीम ने छापेमारी की है। स्थानीय लोगों के अनुसार बीते पांच-छह वर्षों में बीडीओ ने काफी संपत्ति अर्जित की है। बताया जाता है कि गोपाल चौक और शंकर सरैया चौक के समीप सड़क किनारे लगभग 5-6 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन के अलावा 3-4 बीघा खेती की जमीन भी खरीदी गई है। कृष्णा राम चार भाइयों में तीसरे नंबर पर हैं। पुस्तैनी मकान में उनके अलावा तीनों भाई रहते हैं। इनमें सबसे बड़े भाई भरत राम का निधन हो चुका है, जबकि अन्य दो भाई सुदामा राम और श्रीभगवान राम इसी मकान में रहते हैं, जहां निगरानी विभाग की टीम ने छापेमारी की।

संक्षिप्त समाचार

आसाराम पटखौली और सूर्यपुर बांध के पास बने पीपापुल : विधायक

बीएनएम @ बेतिया : बिहार के आपदा प्रबंधन मंत्री सह नौतन विधायक नारायण प्रसाद ने गंडक नदी के दियारा क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को देखते हुए बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष को पत्र लिखा है। उन्होंने बैरिया प्रखंड के आसाराम पटखौली बांध और सूर्यपुर बांध के समीप पीपापुल निर्माण की पुरजोर मांग की है।मंत्री ने पत्र में उल्लेख किया कि दियारा इलाके की हजारों एकड़ भूमि पर गेहूं और गन्ने की प्रचुर खेती होती है, लेकिन सुगम आवागमन के अभाव में किसानों को अपनी फसल बाजार तक पहुँचाने में भारी कठिनाई होती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पीपापुल बनने से न केवल किसानों को आर्थिक लाभ होगा, बल्कि नाव दुर्घटनाओं पर भी प्रभावी रोक लगेगी। कम लागत में तैयार होने वाले इस पुल से हजारों ग्रामीणों को सुरक्षित और सुलभ यातायात की सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने किसान हित में इस परियोजना का शीघ्र स्वीकृत करने का अनुरोध किया है।

सीवान जंक्शन के चप्पे-चप्पे की हुई सघन तलाशी

बीएनएम @सीवान रेलवे स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के उद्देश्य से शनिवार को स्टेशन परिसर में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य आकर्षण छपरा से आया स्वान दस्ता रहा, जिसमें खोजी कुत्ते 'रैंबो' की मदद से पूरे स्टेशन परिसर की बारीकी से जांच की गई। यह कार्रवाई उप निरीक्षक जयेंद्र कुमार मिश्रा और स्वान दस्ता विभाग के सहायक उप निरीक्षक विनोद कुमार यादव के नेतृत्व में संयुक्त रूप से संपन्न हुई।अभियान के दौरान सभी प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, फुटओवर ब्रिज और पार्किंग स्थल सहित सर्कुलेटिंग एरिया का सघन निरीक्षण किया। स्वान 'रैंबो' ने खड़ी ट्रेनों, यात्रियों के सामान और लावारिस बैगों की विशेष रूप से जांच की। सुरक्षा बलों ने यात्रियों को जागरूक करते हुए अपील की कि किसी भी संदिग्ध वस्तु की सूचना तत्काल RPF या GRP को दें। राहत की बात यह रही कि जांच के दौरान कोई भी विस्फोटक या आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई और स्टेशन परिसर पूरी तरह सुरक्षित पाया गया।

देवर सहित दो पर प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम @ जमुई / झाझा: जिले के तेलियाडीह गांव में एक महिला के साथ गाली-गलौज, अभद्र व्यवहार और दुष्कर्म की कोशिश का गंभीर मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में पीड़िता चंद्रवती देवी ने थाने में लिखित आवेदन देकर अपने देवर संजय यादव और चचेरे भाई गंगा यादव के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है।पीड़िता के अनुसार, घटना 3 मार्च 2026 की दोपहर करीब 3 बजे की है, जब वह अपनी माँ खगिया देवी के साथ घर पर बैठी थी। इसी दौरान दोनों आरोपी वहां पहुंचे और अभद्र व्यवहार करते हुए दुष्कर्म का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपियों ने महिला को सड़क पर बाल पकड़कर घसीटा और लोहे की छड़ व लाठी से बेरहमी से पीटा। इस हमले में पीड़िता की माँ को भी गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

अटल वयो अभ्युदय योजना' पर विशेष कार्यशाला संपन्न

बुजुर्गों के सम्मान में खैरा में उमड़ा जनसैलाब

बीएनएम @ जमुई। आधुनिक समाज में वृद्धजनों को सम्मानजनक जीवन प्रदान करने और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से शनिवार को खैरा स्थित बुनियादी केंद्र में एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। जिलाधिकारी श्री नवीन के दिशा-निर्देशानुसार सामाजिक सुरक्षा कोषांग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य विषय 'वयोवृद्ध उन्मुखीकरण सह संवेदीकरण' रहा। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने अटल वयो अभ्युदय योजना की बारीकियों को साझा करते हुए बताया कि यह योजना बुजुर्गों के स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक सुरक्षा का सशक्त आधार है।बदलती पारिवारिक संरचनाओं के बीच वृद्धजनों को उनके कानूनी अधिकारों से अवगत कराने के लिए माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण कड़ी 'खुली चर्चा' रही, जिसमें बुजुर्गों ने अपनी चुनौतियाँ साझा कीं। इस दौरान जिला प्रशासन ने वरिष्ठ नागरिकों को शॉल भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही, एक बड़ी घोषणा की गई कि आगामी 10 मार्च से बुनियादी केंद्र में वसुधा केंद्र की सेवाएं पूर्णतः निशुल्क शुरू होंगी, जिससे वृद्धजन पेंशन और अन्य ऑनलाइन सुविधाओं का लाभ आसानी से उठा सकेंगे।

दौलतपुर की वयोवृद्ध शांति देवी का निधन

बीएनएम @ जमुई। जमुई जिले के दौलतपुर निवासी प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व मुखिया स्वर्गीय कन्हैया प्रसाद सिंह की धर्मपत्नी शांति देवी का शुक्रवार की रात 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। 1 जनवरी 1932 को जन्मीं शांति देवी अपने सरल और धार्मिक स्वभाव के कारण पूरे क्षेत्र में अत्यंत सम्मानित थीं। शनिवार को स्थानीय घाट पर बड़ी संख्या में मौजूद गणमान्य व्यक्तियों और ग्रामीणों की उपस्थिति में उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ।वे अपने पीछे छह पुत्रों और तीन पुत्रियों सहित एक भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन पर क्षेत्र के अपूरणीय क्षति बताते हुए स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। शोकाकुल परिवार के प्रति सहानुभूति प्रकट करने वालों का तांता लगा हुआ है।

कोचिंग गई छात्रा लापता

बीएनएम @ जमुई/झाझा: झाझा थाना क्षेत्र में कोचिंग गई एक 17 वर्षीय नाबालिग छात्रा के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता की माँ द्वारा दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, छात्रा गुरुवार सुबह 11 बजे घर से निकली थी। शाम को सहेली के माध्यम से सूचना मिली कि छोटी चंदवारी निवासी अमित कुमार नामक युवक उसके साथ छेड़छाड़ कर उसे जबरन रेलवे स्टेशन की ओर ले गया है। परिजनों के स्टेशन पहुँचने पर छात्रा का कोई सुराग नहीं मिला। आरोपी के घर जाने पर परिजनों को मारपीट और गाली-गलौज का सामना करना पड़ा। पुलिस अपहरण की आशंका जताते हुए मामले की गहन जांच में जुट गई है।

खेलो इंडिया के तहत मझौलिया में जुटेंगी 1000 महिला खिलाड़ी

अस्मिता' पहल के तहत बेटियों का एथलेटिक्स मीट आज

बीएनएम @ बेतिया: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च 2026) के अवसर पर पश्चिम चंपारण में महिलाओं और बेटियों की खेल क्षमता को मंच देने के लिए एक विशेष खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। 'मेरा युवा भारत' और भारतीय खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में 'ASMITA' पहल के तहत मझौलिया के अमवा मझार स्थित खेलो इंडिया स्मॉल सेंटर में एकदिवसीय एथलेटिक्स स्पर्धा होंगी।शनिवार को सूचना भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में 'मेरा युवा भारत' की उप निदेशक रश्मि सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं को खेल के प्रति प्रेरित करना है। प्रतियोगिता में 100, 200 और 400 मीटर दौड़ के साथ-साथ 'टग ऑफ वॉर' जैसे मनोरंजक खेल भी शामिल होंगे। यह आयोजन तीन आयु वर्गों (अंडर-13, 13-18 और 18+) में होगा, जिसमें लगभग 1000 प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। विजेताओं को पदक और सभी प्रतिभागियों को 'अस्मिता' पोर्टल के माध्यम से डिजिटल प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। सुबह 8:30 बजे रिपोर्टिंग और 10 बजे से खेलों की शुरुआत होगी।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला लीडर ने संभाली 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की कमान

बीएनएम @ रक्सौल

आज हरैया गांव में काली सेना बीजेपी महिला मोर्चा महामंत्री पार्वती तिवारी के उपस्थिति और प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर पूर्वी चम्पारण की जिला परियोजना समन्वयक आरती कुमारी के अध्यक्षता में जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमे सैकड़ों महिला ने लिया भाग। 'बाल विवाह मुक्ति रथ' ने दी पूर्वी चम्पारण से बाल विवाह के खात्मे के प्रयास को रफ्तार दिया गया। बाल विवाह के खिलाफ तीन चरणों में चले अभियान में धर्मगुरुओं, छात्रों, पंचायतों व वैवाहिक समारोहों में सेवाएं देने वालों को जोड़ा गया भारत सरकार के केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की पहल पर चले 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान के तहत जिले के गांवों व कस्बों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चला रहे 'बाल विवाह मुक्ति रथ' की यात्रा के समापन के अवसर पर एक कार्यक्रम में प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर ने कहा कि हमारे प्रयासों को मिली प्रतिक्रिया से हम आश्वस्त हैं कि बाल विवाह मुक्त पूर्वी चम्पारण और बाल विवाह मुक्त भारत का लक्ष्य हासिल करते के बेहद करीब हैं। प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए जमीन पर काम कर रहे 250 से भी ज्यादा नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फार चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है। जिले में बाल विवाह मुक्ति रथ को रवाना करने वाले सांसद डॉ संजय जयसवाल, विधायक प्रमोद कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार रक्सौल, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष आनंद रक्सौल, एब सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। इन 30 दिनों में बाल विवाह मुक्ति रथ ने जिले में 2,445 किलोमीटर यात्रा की। यह रथ 215 गांवों तक पहुंचा और (2,45000) जनसंख्या तक

लोगों को बाल विवाह के खिलाफ अभियान से जोड़ा। 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के साल भर पूरा होने के अवसर पर भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने चार दिसंबर, 2025 को देशव्यापी '100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान' का एलान किया था। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के सहयोगी संगठनों ने इस अभियान की मोर्चे से अगुआई करते हुए देश के 439 जिलों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता का संदेश देने के लिए 'बाल विवाह मुक्ति रथ' निकाले। इस रथ ने जिले के तमाम गांवों और कस्बों में घूम-घूम कर लोगों को बाल विवाह के स्वास्थ्य, शिक्षा व आजीविका पर दुष्परिणामों से अवगत कराया और इसके कानूनी पहलुओं की जानकारी देते हुए समझाया कि बाल विवाह दंडनीय अपराध है। प्रमुख सड़कों और बेहतर पहुंच वाले मार्गों से 'बाल विवाह मुक्ति रथ' गुजरे, जबकि संपर्क के लिहाज से मुश्किल सुदूर गांवों तक मोटरसाइकिल व साइकिल कारवां के जरिए पहुंचा गया ताकि बाल विवाह मुक्त पूर्वी चम्पारण का संदेश सबसे आखिरी छोर तक पहुंच सके। प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर के जिला परियोजना समन्वयक आरती कुमारी ने बाल विवाह के खिलाफ इस 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान और इसके तहत निकाले गए 'बाल विवाह मुक्ति रथ' को परिवर्तनकारी बताते हुए कहा, "यह कोई प्रतीकात्मक यात्रा नहीं थी। यह पहियों पर बदलाव का संदेश था जिसे लोगों ने स्वीकार किया और सराहा। अब लगभग पूरी सभ्य दुनिया ने हमारी यह बात मान ली है कि बाल विवाह कोई सामाजिक कुप्रथा नहीं बल्कि विवाह की आड़ में बच्चों से बलात्कार है। यह एक अपराध है और कानूनन दंडनीय है। बाल विवाह किसी भी बच्ची के जीवन के पुष्पित-पल्लवित होने की संभावनाओं को ही खत्म कर देता है और बच्चियों को कुपोषण, अशिक्षा व गरीबी के दुष्चक्र में धकेल देता है।" उन्होंने कहा कि सरकार, प्रशासन व जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से यह अभियान एक व्यापक जनभागीदारी वाले जन अभियान में तब्दील हो गया। सभी के सहयोग से बाल विवाह के खात्मे के लिए कानून, सुरक्षा और जवाबदेही के संकल्प को हम जनसमुदाय तक ले गए ताकि बाल विवाह मुक्त पूर्वी चम्पारण का लक्ष्य वास्तविकता में बदल सके। तीन चरणों में चले इस अभियान के पहले चरण में शैक्षणिक संस्थानों व दूसरे चरण में धर्मगुरुओं को जोड़ा गया और उनसे अनुरोध किया गया कि वे विवाह संपन्न कराने से पूर्व आयु की जांच कर लें और बाल विवाह संपन्न कराने से इनकार करें। साथ ही, कैटरर्स, सजावट वालों, बैंक्वेट हाल मालिकों व विवाह में सेवाएं देने वाले बैंड वालों, घोड़ी वालों से संपर्क कर अनुरोध किया गया कि वे बाल विवाह में अपनी सेवाएं नहीं दें क्योंकि बाल विवाह में किसी भी रूप में शामिल होने या सहयोग देने पर उन्हें सजा हो सकती है। तीसरे चरण में जिले की पंचायतों में जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान में शामिल सामाजिक कार्यकर्ता राज गुप्ता, उमेश कुमार श्रीवास्तव, आशीष कुमार, अजय कुमार आदि उपस्थित थे।

नशे में न चलाएं वाहन, हेलमेट को बनाएं जीवन का हिस्सा : वाहन चालक महासंघ

» झाझा से उठी सड़क सुरक्षा की गूंज

बीएनएम @ जमुई/झाझा

राष्ट्रीय वाहन चालक महासंघ भारत द्वारा बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शनिवार को झाझा के अंबेडकर चौक से एक विशाल जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद कुमार, पर्यवेक्षक शंकर सिंह और अन्य पदाधिकारियों द्वारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। यह रैली झाझा से शुरू होकर सोनो, गिद्धौर और लक्ष्मीपुर सहित विभिन्न प्रखंडों के लिए रवाना हुई, जिसमें बड़ी संख्या में चालक और महासंघ के सदस्य शामिल हुए।रैली को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने चालकों से नशे में वाहन न चलाने, ओवरलोडिंग से बचने और थकावट होने पर आराम करने की भावुक अपील की। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट और चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने पर जोर दिया। इसके साथ ही महासंघ ने सरकार के समक्ष 'नो एजेंट नो पेमेंट' और ऑनलाइन लाइसेंस प्रक्रिया जैसी मांगें रखीं। उन्होंने चालक की मृत्यु पर उचित मुआवजे और लाइसेंस के आधार पर ऋण सुविधा उपलब्ध कराने की भी वकालत की। अध्यक्ष ने बताया कि पिछले एक साल में सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले 100 परिवारों की मदद के बाद इस दर्द को देखते हुए इस अभियान की शुरुआत की गई है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके|

गया नगर निगम का 572 करोड़ का बजट पारित

बजट में स्मॉग टॉवर और ग्रीन एरिया डेवलपमेंट के लिए विशेष प्रावधान

बीएनएम @ गयाजी

गया नगर निगम ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 572 करोड़ 18 लाख 68 हजार 305 रुपये के महत्वाकांक्षी बजट को शनिवार को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी। मेयर वीरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान की अध्यक्षता में आयोजित बोर्ड की विशेष बैठक में इस "न लाभ-न हानि" आधारित बजट प्रस्ताव को मेज थपथपाकर पारित किया गया। इस दौरान डिप्टी मेयर चिंता देवी, नगर आयुक्त अभिषेक पलासिया और सशक्त स्थायी समिति के सदस्यों सहित कई पार्षद मौजूद रहे। मेयर ने बजट पेश करते हुए कहा कि इस 5.72 अरब रुपये के विकासोन्मुखी बजट का मुख्य उद्देश्य धार्मिक राजधानी 'गयाजी' को स्मार्ट सिटी की तर्ज पर विकसित करना और इसे अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाना है।बजट में बुनियादी ढांचे, स्वच्छता और पर्यावरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। शहर में प्रदूषण नियंत्रण के लिए स्मॉग टॉवर लगाने, 15वें एवं 16वें वित्त आयोग के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और जल-जीवन-हरियाली मिशन जैसी योजनाओं को प्राथमिकता दी गई है। सशक्त स्थायी समिति के सदस्य अखौरी ओंकार नाथ उर्फ मोहन श्रीवास्तव ने बताया कि बजट में बड़े नालों का निर्माण, ड्रेनेज सिस्टम का सुदृढ़ीकरण, स्ट्रीट लाइट, और प्रमुख चौराहों के सौंदर्यीकरण जैसी नागरिक सुविधाओं पर व्यापक खर्च का प्रावधान है। साथ ही, गांधी स्मारक के जीर्णोद्धार और सम्राट अशोक भवन के विस्तार जैसी योजनाओं को भी शामिल किया गया है।सामाजिक उत्थान और रोजगार की दिशा में भी यह बजट काफी सक्रिय दिखता है। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत हजारों युवाओं को कंप्यूटर, सिलाई और ब्यूटी पार्लर जैसे व्यवसायों में प्रशिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अतिरिक्त, स्लम क्षेत्रों में सामुदायिक भवनों का निर्माण, वृद्धाश्रम का संचालन और आवास योजनाओं के तहत नए घरों का निर्माण प्रस्तावित है। यह बजट गयाजी की सूरत बदलने और निवासियों को आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

मोबाइल वैन ने पतिलार में किया दर्जनों पशुओं का मुफ्त इलाज

बीएनएम @ बगहा

बगहा-1 प्रखंड के पतिलार पंचायत में पशुपालन विभाग द्वारा संचालित पशु मोबाइल चिकित्सालय की टीम ने भ्रमण कर पशुओं का निःशुल्क इलाज किया। मुखिया प्रतिनिधि डॉ. अभिषेक मिश्रा की उपस्थिति में आयोजित इस शिविर के दौरान गाय, भैंस और बकरियों की स्वास्थ्य जांच की गई और बीमार पशुओं को दवाइयां वितरित की गईं। डॉ. मिश्रा ने पशुपालकों से अपील की कि वे सरकार द्वारा दी जा रही इस अत्याधुनिक सुविधा का लाभ उठाएं और समय पर टीकाकरण सुनिश्चित करें।पशु चिकित्सक विनोद कुमार झा ने पशुपालकों को संतुलित आहार और स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए बीमारियों से बचाव के गुर सिखाए। वहीं, जदयू जिला प्रवक्ता (किसान एवं सहकारिता प्रकोष्ठ) अभय कुमार उपाध्याय ने बताया कि पशु मोबाइल चिकित्सा वाहन के आने

से झोलाछाप डॉक्टरों के चंगुल से मुक्ति मिली है। अब 1962 पर फोन करते ही डॉक्टर गांव में उपलब्ध हो जाते हैं, जिससे बेजुबान पशुओं का सही समय पर सटीक इलाज संभव हो पा रहा है। इस सुविधा से आर्थिक नुकसान में कमी आई है, जिससे ग्रामीणों ने विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शमशाद अहमद, कृष्णा पासवान और संदीप मिश्रा सहित कई पशुपालक उपस्थित रहे।

शाल और सम्मान पाकर खिले कलाकारों के चेहरे

इंस्पेक्टर और थानाध्यक्ष ने कलाकारों को किया सम्मानित

बीएनएम @ बगहा

बगहा पुलिस जिला के गंडक पार स्थित धनहा थाना में शनिवार को एक सम्मान समारोह आयोजित कर उन कलाकारों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने पुलिस सप्ताह दिवस (22 से 27 फरवरी) के दौरान जन-जागरूकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पुलिस निरीक्षक रामाकांत तिवारी और थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से कलाकारों को शील्ड प्रदान कर और शाल ओढ़ाकर उनके योगदान की सराहना की।इन कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समाज में व्याप्त दहेज प्रथा, मद्यनिषेध, सड़क सुरक्षा और डायल 112 की उपयोगिता जैसे विषयों पर लोगों को जागरूक किया था। इंस्पेक्टर रामाकांत तिवारी ने कहा कि कलाकारों की यह पहल सराहनीय थी, जिससे पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हुआ। सम्मानित होने वालों में सरफदीन अंसारी, धनु दुबे, अन्या कुमारी, सोनी चौधरी, अनु तिवारी सहित अन्य कलाकार शामिल रहे। कलाकारों की ओर से सफरूदीन अंसारी ने पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सम्मान से कलाकारों का मनोबल बढ़ता है।

स्टेनोग्राफर बने रवि गुप्ता का अभिनंदन

विद्यालय परिसर में शाल और मोमेंटो देकर किया गया सम्मानित

बीएनएम @ जमुई/झाझा

बाबूबांक निवासी छात्र रवि गुप्ता के देवघर जिला न्यायालय में स्टेनोग्राफर पद पर चयनित होने की खुशी में शनिवार को ज्ञान निकेतन पब्लिक स्कूल परिसर में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय परिवार की ओर से रवि को मोमेंटो और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस गौरवशाली अवसर पर रजला कला पंचायत के मुखिया राजकुमार यादव, समाजसेवी भैया लाल माथुरी, और प्राचार्य अमित राव सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।प्राचार्य अमित राव ने गर्व के साथ बताया कि विद्यालय की मजबूत नींव के कारण आज बाबूबांक और आसपास के क्षेत्रों के तीन दर्जन से अधिक पूर्व छात्र सरकारी सेवाओं में अपनी पहचान बना चुके हैं। चयनित छात्र रवि गुप्ता ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और गुरुजनों के मार्गदर्शन को दिया। समारोह में उपस्थित शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने रवि की इस उपलब्धि को प्रेरणादायक बताते हुए उत्साहवर्धन किया|

रोमांचक मुकाबले में देवरिया ने बेतिया को रौंदा

बीएनएम @ बगहा

सात दिवसीय नाइट कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य आगाज

बगहा नगर परिषद के वार्ड नंबर एक, मलकौली स्थित श्याम हॉस्पिटल के समीप खेल मैदान में शुक्रवार की शाम सात दिवसीय नाइट कबड्डी प्रतियोगिता का शानदार शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि समाजसेवी संजीव कुमार ठाकुर और विशिष्ट अतिथि आदर्श शुक्ला ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कबड्डी न केवल शारीरिक शक्ति और चपलता का खेल है, बल्कि यह टीम वर्क और रणनीतिक कौशल का भी उत्कृष्ट प्रदर्शन है। उन्होंने इसे भारतीय संस्कृति की अनमोल विरासत बताया जो युवाओं को अनुशासन और एकाग्रता सिखाती है।प्रतियोगिता के पहले दिन दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। उद्घाटन मैच उत्तर प्रदेश के देवरिया और बेतिया की टीमों के बीच हुआ, जिसमें देवरिया की टीम ने कप्तान हिमांशु कुमार के नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन करते हुए बेतिया को 15 अंकों से पराजित किया। दूसरा मुकाबला मलकौली और जटहां (यूपी) के बीच हुआ, जिसमें मेजबान मलकौली की टीम ने कप्तान रविकेश ठाकुर की अगुवाई में जटहां को 5 अंकों से हराकर जीत दर्ज की।आयोजक पिंटू पटेल ने बताया कि इस सात दिवसीय टूर्नामेंट में बिहार और उत्तर प्रदेश की कई नामी टीमें हिस्सा ले रही हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुमित कुमार, गोलू, सचिन और विशाल ठाकुर सहित स्थानीय युवाओं का सराहनीय योगदान रहा। यह आयोजन क्षेत्र के खेल प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

चापाकलों की नियमित निगरानी करें सुनिश्चित, लापरवाही बर्दाश्त नहीं :डीएम

बीएनएम @ बेतिया

पश्चिम चंपारण जिले में भीषण गर्मी की आहट के साथ ही जिला प्रशासन ने आमजन को पेयजल संकट से बचाने के लिए कमर कस ली है। जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने समाहरणालय परिसर से चापाकल मरम्मति दल के विशेष वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। लोक स्वास्थ्य प्रमंडल, बेतिया के तत्वावधान में शुरू हुआ यह अभियान जिले के सभी प्रखंडों और गांवों में युद्धस्तर पर चलेगा, ताकि एक भी सरकारी चापाकल खराब न रहे।अभियान की शुरुआत करते हुए जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले के सभी सार्वजनिक स्थलों पर लगे चापाकलों को अविलंब 'फंक्शनल' किया जाए। उन्होंने कार्यपालक अभियंता को निर्देशित किया कि आम जनता से प्राप्त शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई हो। लोक स्वास्थ्य प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता नितिन कुमार ने बताया कि प्रत्येक मरम्मति दल अनुभवी मिस्त्रियों और पलंजर, चेक वॉल्ब, वॉशर जैसे आवश्यक उपकरणों से लैस है, ताकि मौके पर ही खराबी दूर की जा सके।इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य गर्मी के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना है। उद्घाटन के अवसर पर विशेष कार्य पदाधिकारी सुजीत कुमार सहित विभाग के कई अभियंता और अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन की इस सक्रियता से जिलेवासियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

भारत तक पहुंची आंच

भारत के अतिथि जहाज को भारतीय जल क्षेत्र के करीब डुबो देना भारत की प्रतिष्ठा के प्रति अमेरिका की बेपरवाही की मिसाल है। इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति अवश्य दर्ज करानी चाहिए। ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमले से पश्चिम एशिया में शुरू हुए युद्ध की आंच बुधवार को भारत तक पहुंच गई, जब भारतीय जलसीमा के करीब ईरान के जहाज इरिस देना को अमेरिका ने डुबो दिया। अमेरिका के युद्ध मंत्री पीटर हेगसेट ने इसे अपने देश की एक बड़ी सैन्य सफलता के रूप में पेश कर इस बारे में कोई भ्रम नहीं रहने दिया कि ये कार्रवाई योजनाबद्ध ढंग से की गई। अमेरिका ने ऐसा करने को सोचा, यह भारत के प्रति उसके तौहीनी नजरिए का परिचायक है। आखिर वो जहाज भारतीय नौसेना के अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा कार्यक्रम- मिलन- में भाग लेने भारत के आमंत्रण पर आया था। विशाखापत्तनम में इस कार्यक्रम में भाग लेकर वह लौट रहा था। ईरान ने कहा है कि चूंकि जहाज युद्ध से बाहर के क्षेत्र से गुजर रहा था, अतः उसकी हथियार प्रणालियों को "सुरक्षित एवं निष्क्रिय" मोड में रखा गया था। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है- 'हम मान कर चल रहे थे कि हम दोस्ताना जल क्षेत्र में हैं, अतः जहाज पर सवार अधिकांश लोग समारोहों में भाग लेने वाले गैर लड़ाकू कर्मचारी थे।' डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने ऐसे जहाज पर हमला करने को सोचा, यह तमाम अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मर्यादाओं को ठेंगा दिखाने के उसके नजरिए मेल खाता है। मगर ऐसा भारत के अतिथि जहाज के साथ भारतीय जल क्षेत्र के करीब करना भारत की चिंताओं के प्रति उसकी असंवेदनशीलता की भी मिसाल है। इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति दर्ज करानी चाहिए। दुनिया में प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त करने की सबसे पहली शर्त खुद अपनी प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहना होता है। वेनेजुएला और ईरान के मामलों में अंतरराष्ट्रीय नियमों के पक्ष में आवाज ना उठा कर भारत ने पहले ही अपनी अंतरराष्ट्रीय हैसियत की अनदेखी की है। मगर अब बात सैद्धांतिक रुख तय करने की नहीं, बल्कि अपने मामले में बोलने की है। कम-से-कम यह अवश्य कहा जाना चाहिए कि अमेरिका अपने युद्ध की आंच हम तक पहुंचाए। भारत के क्षितिज पर वैसे ही अमेरिकी युद्ध के आर्थिक दुष्परिणामों का अंदेशा सघन होता जा रहा है।

नारी शक्ति का नया युग और वास्तविक चुनौतियां

ललित गर्ग

मानव सभ्यता के विकास की कथा में यदि किसी शक्ति ने सबसे अधिक सृजन किया है, तो वह नारी शक्ति है। वह जीवन की जननी है, संस्कृति की वाहक है और समाज की संवेदनशील आत्मा है। भारतीय परंपरा ने नारी को केवल एक सामाजिक भूमिका तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे 'माता' के रूप में सर्वोच्च आदर दिया। 'मातृदेवो भवः' की वाणी से लेकर 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' की घोषणा तक हमारी संस्कृति में नारी के प्रति श्रद्धा का अद्वितीय भाव दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत में धरती, गौ और मातृभूमि तक को 'माता' कहकर संबोधित किया गया। किन्तु विडम्बना यह है कि जिस समाज ने नारी को देवी का दर्जा दिया, उसी समाज में आज भी नारी असुरक्षा, भेदभाव और हिंसा का सामना कर रही है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 हमें केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह अवसर देता है कि हम नारी की वास्तविक स्थिति का गंभीर आत्ममंथन करें। विश्व स्तर पर किए गए अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि नारी की स्थिति में प्रगति अवश्य हुई है, किन्तु समानता, सुरक्षा एवं स्वतंत्रता की यात्रा अभी लंबी है। विश्व आर्थिक मंच की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 के अनुसार विश्व में लैंगिक समानता का लगभग 68.8 प्रतिशत अंतर ही समाप्त हो पाया है, अर्थात् अभी भी लगभग एक तिहाई अंतर शेष है। आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में यह अंतर सबसे अधिक है, जहाँ समानता केवल लगभग 61 प्रतिशत तक ही पहुँची है। वर्ल्ड इकनोमिक फोरम कि स्थिति बताती है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाएँ लगभग बराबरी के स्तर तक पहुँच गई हैं, परंतु आर्थिक अवसरों और राजनीतिक नेतृत्व में अभी भी उनकी भागीदारी सीमित है। वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कुल कार्यबल का लगभग 42 प्रतिशत ही हैं और शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के आसपास है। भारत में भी स्थिति मिश्रित है। एक ओर भारतीय महिलाएँ अंतरिक्ष, विज्ञान, सेना, राजनीति और प्रशासन में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर श्रम बाजार में उनकी भागीदारी अभी भी कम है। हाल के आँकड़ों के अनुसार भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 32 प्रतिशत है और बड़ी संख्या में महिलाएँ घरेलू दायित्वों के कारण रोजगार से बाहर रहती हैं। बिजनेस स्टैंडर्ड के यह आँकड़े केवल संख्या नहीं हैं, यह समाज की संरचना, सोच और अवसरों की असमानता को उजागर करते हैं। आज दुनिया के अनेक देशों में महिलाएँ राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, वैज्ञानिक, सैन्य अधिकारी और उद्योगपति के रूप में नेतृत्व कर रही हैं। भारत में भी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, वैज्ञानिक और फाइटर पायलट के रूप में महिलाओं की उपस्थिति इस परिवर्तन का प्रमाण बनी है और बन रही है। किंतु इसके साथ यह भी सत्य है कि दुनिया में अभी भी केवल सीमित देशों में ही महिलाएँ सर्वोच्च राजनीतिक पदों पर हैं और समान वेतन का प्रश्न अभी भी अधूरा है। कई अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार महिलाओं को समान कार्य के लिए पुरुषों की तुलना में औसतन कम वेतन मिलता है। एक और चिंताजनक तथ्य यह है कि संघर्ष, युद्ध और संकट की स्थितियों का सबसे अधिक दुष्प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है। हाल के वैश्विक अध्ययनों के अनुसार 2024 में लगभग 67 करोड़ महिलाएँ ऐसे क्षेत्रों में रह रही थीं जो किसी न किसी प्रकार के हिंसक संघर्ष से प्रभावित थे। नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती हैं। इतिहास के पन्ने यह भी बताते हैं कि जब-जब समाज संकट में पड़ा, तब-तब नारी शक्ति ने असाधारण साहस का परिचय दिया। स्वतंत्रता संग्राम में रानी चेनम्मा, बेगम हजरत महल, रानी अवन्तीबाई, सरोजिनी नायडू और दुर्गा भाभी जैसी वीरांगनाओं ने यह सिद्ध किया कि नारी केवल करुणा की प्रतिमा नहीं, बल्कि संघर्ष और साहस की भी प्रतीक है। लेकिन इतिहास के इन गौरवपूर्ण अध्यायों के बावजूद सामाजिक वास्तविकता कई बार पीड़ादायक दिखाई देती है। दहेज, भ्रूण हत्या, घरेलू हिंसा, मानव तस्करी और यौन अपराध आज भी दुनिया के अनेक समाजों में मौजूद हैं। यह केवल कानून का नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता का प्रश्न है। दरअसल नारी समस्या का मूल कारण केवल बाहरी संरचनाएँ नहीं हैं, बल्कि वह सोच है जिसने सदियों तक नारी को 'कमजोर' मानकर उसकी क्षमता को सीमित करने का प्रयास किया। जब समाज नारी को केवल भूमिका से जोड़ता है, व्यक्ति के रूप में नहीं देखता, तभी असमानता जन्म लेती है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 का वैश्विक संदेश भी इसी दिशा में संकेत करता है- ''सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, न्याय और वास्तविक कार्रवाई।'' यह संदेश हमें याद दिलाता है कि आज भी दुनिया में महिलाओं को पुरुषों के समान कानूनी अधिकार पूरी तरह प्राप्त नहीं हैं और औसतन उन्हें पुरुषों के मुकाबले लगभग 64 प्रतिशत ही कानूनी अधिकार प्राप्त हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ कि यह स्थिति हमें सोचने के लिए बाध्य करती है कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन कानूनों को सामाजिक चेतना में बदलना भी आवश्यक है। नारी सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ केवल अधिकार देना नहीं है, बल्कि अवसर, सम्मान और निर्णय लेने की स्वतंत्रता देना है। शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल साक्षरता, आर्थिक स्वावलंबन और राजनीतिक भागीदारी, ये पाँच स्तंभ नारी सशक्तिकरण की वास्तविक नींव हैं। परंतु इस परिवर्तन की शुरुआत घर से ही होगी। यदि परिवार में बेटी और बेटे को समान अवसर मिलते हैं, यदि शिक्षा में भेदभाव समाप्त होता है, यदि विवाह और दहेज जैसी कुप्रथाओं को समाज स्वयं अस्वीकार करता है, तभी नारी की वास्तविक मुक्ति संभव है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। चाहे उज्ज्वला योजना के द्वारा उन्हें गैस सिलिंडर दिलाना हो, गावों में घरों और शौचालय का निर्माण हो या नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पास कराना। आज दुनिया के सभी देश इस बात को मान रहे है की मोदी के नेतृत्व में भारत की महिलाएं बहुत आगे बढ़ रही है। खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं। बात भारतीय या अभारतीय नारी की नहीं, बल्कि उसके प्रति दृष्टिकोण की है। आवश्यकता इस दृष्टिकोण को बदलने की है, जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है। इस दिवस की सार्थकता तभी है जब महिलाओं को विकास में सहभागी ही न बनाये बल्कि उनके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने की वीभत्सताओं एवं त्रासदियों पर विराम लगे, ऐसा वातावरण बनाये। नारी को भी अपने भीतर की शक्ति को पहचानना होगा। इतिहास गवाह है कि जब नारी ने अपने आत्मबल को पहचाना है, तब समाज की दिशा बदल गई है। शिक्षा और आत्मविश्वास नारी के लिए वही भूमिका निभाते हैं जो प्रकाश अंधकार के लिए करता है। आज की नारी केवल अधिकारों की मांग करने वाली नहीं, बल्कि परिवर्तन की निर्माता है। वह विज्ञान में शोध कर रही है, आकाश में विमान उड़ा रही है, संसद में कानून बना रही है, और समाज में नेतृत्व कर रही है। फिर भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि नारी सम्मान का प्रश्न केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि पूरे समाज की सभ्यता का प्रश्न है। जिस समाज में नारी सुरक्षित, सम्मानित और आत्मनिर्भर होती है, वही समाज वास्तव में विकसित और मानवीय कहलाता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि नारी को सम्मान देने का कार्य केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि पूरे वर्ष की सामाजिक चेतना होना चाहिए। जब समाज यह स्वीकार कर लेगा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला नहीं, बल्कि भविष्य की निर्माता है, तब वह दिन दूर नहीं होगा जब 'नारी सशक्तिकरण' शब्द की आवश्यकता ही समाप्त हो जाएगी-क्योंकि नारी स्वाभाविक रूप से सशक्त होगी और तब शायद दुनिया सचमुच उस आदर्श को जी पाएगी, जिसे भारतीय संस्कृति ने हजारों वर्ष पहले कहा था-"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता।"

नीतीश कुमारः एक अधूरी विदाई की कहानी

शाश्वत तिवारी

भारत की समकालीन राजनीति में यदि किसी नेता के राजनीतिक उत्थान और पतन को समझना सबसे जटिल है, तो वह निस्संदेह नीतीश कुमार का है। उनका राजनीतिक जीवन एक ऐसे नेता की कहानी है, जिसने बिहार की राजनीति को कई बार नई दिशा दी, लेकिन अंततः अपने ही निर्णयों और राजनीतिक कलाबाज़ियों के कारण उस ऊँचाई को स्थायी रूप से बनाए नहीं रख सके, जहाँ कभी उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में "प्रधानमंत्री पद का दावेदार" माना जा रहा था। कुछ वर्ष पहले तक राजनीतिक विश्लेषकों और मीडिया के एक बड़े हिस्से में यह धारणा प्रबल थी कि नीतीश कुमार देश के उन चुनिंदा नेताओं में हैं जिनमें राष्ट्रीय नेतृत्व की क्षमता है। उस समय उनके करीबी सहयोगी और बिहार भाजपा के प्रमुख नेता सुशील कुमार मोदी ने पहली बार उन्हें "पीएम मैटेरियल" के रूप में प्रस्तुत किया। यह एक ऐसा राजनीतिक नैरेटिव था जिसने उन्हें बिहार की सीमाओं से निकालकर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में ला खड़ा किया। विडंबना यह रही कि वही व्यक्ति, जिसने इस छवि को गढ़ने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई, बाद में राजनीतिक रूप से हाशिये पर धकेल दिया गया। राजनीति में मित्रता और हितों का संतुलन अक्सर क्षणभंगुर होता है, और नीतीश कुमार की राजनीति इस तथ्य का एक जीवंत उदाहरण बन गई। सौम्यता की छवि और अवसरवाद की राजनीति व्यक्तिगत तौर पर नीतीश कुमार को एक सौम्य, संयमित और विनम्र नेता के रूप में देखा जाता है। लेकिन उनकी राजनीति का दूसरा पक्ष अवसरवाद से भरा हुआ दिखाई देता है। उन्होंने समय-समय पर अपने राजनीतिक सहयोगियों और संरक्षकों से दूरी बनाई, चाहे वे कभी उनके मार्गदर्शक रहे हों या साझेदार। बिहार की राजनीति में उनका प्रारंभिक उत्थान लालू प्रसाद यादव के दौर में हुआ, लेकिन बाद में वही उनके सबसे बड़े राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बन गए। इसी तरह समाजवादी राजनीति के प्रमुख स्तंभ जॉर्ज फर्नांडिस और शरद यादव के साथ भी उनके संबंधों में समय के साथ दूरी और तनाव देखने को मिला। नीतीश कुमार की राजनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि उन्होंने सिद्धांतों की भाषा का उपयोग करते हुए राजनीतिक समीकरणों को बदलने में असाधारण कौशल दिखाया। जब उन्होंने विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाने की बात की, तो वे भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़े दिखाई दिए। और जब सामाजिक न्याय की राजनीति को प्राथमिकता दी, तो उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल के साथ हाथ मिला लिया। वर्ष 2000 की घटना और सत्ता की आकांक्षा जो लोग नीतीश कुमार को पूरी तरह सिद्धांतवादी नेता के रूप में चित्रित करते हैं, वे वर्ष 2000 की उस घटना को अक्सर भूल जाते हैं जब मुख्यमंत्री बनने की आकांक्षा में वे पटना की बेउर जेल तक पहुंचे थे। उस समय बिहार की राजनीति अपराध और सत्ता के गठजोड़ के लिए बदनाम थी, और इस संदर्भ में यह घटना उनके राजनीतिक जीवन की एक विवादास्पद स्मृति बन गई। बाद के वर्षों में भी बिहार की राजनीति में कई विवादास्पद चेहरों को संरक्षण मिलने के आरोप लगते रहे। इनमें आनंद सिंह, सुनील पांडे और आनंद मोहन सिंह जैसे नाम समय-समय पर चर्चा में रहे। मित्रवत मीडिया के एक हिस्से ने लंबे समय तक नीतीश

कुमार को वित्तीय ईमानदारी का प्रतीक बनाकर प्रस्तुत किया। यह सच भी है कि व्यक्तिगत स्तर पर उनके खिलाफ बड़े वित्तीय घोटालों के आरोप कभी निर्णायक रूप से सिद्ध नहीं हुए। लेकिन राजनीति केवल व्यक्तिगत ईमानदारी से नहीं चलती। किसी भी नेता का मूल्यांकन उसके सहयोगियों, मंत्रियों और प्रशासनिक तंत्र से भी किया जाता है। इस संदर्भ में उनके शासनकाल के दौरान कई विवाद और आरोप सामने आए, जिनमें उनके करीबी नेताओं और नौकरशाहों के नाम शामिल होते रहे। इससे उनकी "स्वच्छ छवि" और राजनीतिक यथार्थ के बीच एक स्पष्ट विरोधाभास दिखाई देता है। नीतीश कुमार की राजनीतिक शैली का एक महत्वपूर्ण पहलू उनका व्यक्तिगत स्वभाव भी रहा है। राजनीतिक संकटों के समय उन्होंने मित्र और शत्रु के बीच बहुत स्पष्ट भेद नहीं किया। शायद यही कारण रहा कि उनके आसपास स्थायी मित्रों का एक मजबूत दायरा कभी विकसित नहीं हो पाया। राजनीति में विश्वास और संबंधों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। लेकिन नीतीश कुमार का व्यक्तित्व अक्सर एक ऐसे नेता का प्रतीत होता है जो अपने निर्णयों में अत्यंत अकेला है। कई विश्लेषक मानते हैं कि यह अकेलापन ही उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक कमजोरी साबित हुआ। राजनीति में हर अनुभवी खिलाड़ी यह समझता है कि मैदान कब छोड़ना चाहिए। 2020 के बिहार विधानसभा चुनावों में जब उनकी पार्टी का प्रदर्शन अपेक्षा से काफी कमजोर रहा, तब कई लोगों को लगा कि यह उनके राजनीतिक जीवन का स्वाभाविक अंत हो सकता है। उस समय स्वयं नीतीश कुमार ने भी संकेत दिया था कि यह उनका अंतिम चुनाव हो सकता है। यदि उस समय उन्होंने राजनीति से सम्मानजनक विदाई ले ली होती, तो संभवतः उनका राजनीतिक कद और अधिक ऊँचा दिखाई देता। लेकिन राजनीति में कई बार नेता स्वयं अपने सबसे बड़े आलोचक बन जाते हैं। 2024 के बाद की परिस्थितियों में नीतीश कुमार की भूमिका ऐसी दिखाई दी जैसे कप्तान की वर्दी पहनकर भी वे वास्तव में "बारहवें खिलाड़ी" की भूमिका निभाने को तैयार हो गए हों। यह स्थिति उनके लंबे राजनीतिक सफर के साथ एक गहरा विरोधाभास प्रस्तुत करती है। फिर भी इतिहास किसी नेता को केवल उसकी कमजोरियों से नहीं आंकता। बिहार में कानून व्यवस्था सुधारने, बुनियादी ढाँचे के विकास और प्रशासनिक सुधारों के लिए Nitish Kumar को निश्चित रूप से याद किया जाएगा। उनकी सबसे बड़ी त्रासदी शायद यह रही कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम अध्याय को स्वयं नियंत्रित करने का अवसर खो दिया। निस्संदेह वे एक बेहतर और अधिक गरिमापूर्ण विदाई के अधिकारी थे। लेकिन राजनीति में अंतिम निर्णय इतिहास नहीं, बल्कि नेता के अपने फैसले तय करते हैं। और यही कारण है कि नीतीश कुमार की कहानी भारतीय राजनीति में एक महान संभावना और अधूरी विदाई दोनों के रूप में दर्ज होगी।

भारत में महिलाओं के प्रति बदलने लगा है नज़रिया

रमेश सर्राफ धमोरा

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने और लैंगिक समानता की वकालत करने के लिए मनाया जाता है। यह जागरूकता बढ़ाने, बाधाओं को तोड़ने और सभी के लिए समान अवसरों को बढ़ावा देने का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं तो समाज और राष्ट्र मजबूत होते है। यह समानता और अधिकारों के लिए एक वैश्विक आंदोलन है, जो महिलाओं के सम्मान और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष का प्रतीक है। यह एक ऐसा दिन है जो महिलाओं को सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करता है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस साल 1911 से हर साल 8 मार्च पूरे विश्व में मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाना है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 की थीम है दान से लाभ है, जो उदारता, सहयोग और सामूहिक प्रगति के मूल्यों को बढ़ावा देता है। यह अभियान इस बात पर प्रकाश डालता है कि महिलाओं का समर्थन करना और लैंगिक समानता को आगे बढ़ाना सभी के लिए व्यापक सामाजिक और आर्थिक लाभ ला सकता है। इस अभियान का मूल विचार यह है कि जब महिलाएं शिक्षा, नेतृत्व, उद्यमिता, विज्ञान, कला और राजनीति जैसे क्षेत्रों में सशक्त होती हैं, तो इससे मजबूत समुदाय और साझा समृद्धि का निर्माण होता है। सहयोग और समान अवसरों को प्रोत्साहित करके, यह अभियान समाज में समावेशी विकास और सकारात्मक बदलाव को बढ़ावा देना चाहता है। भारत में महिलाओं की सुरक्षा और इज्जत का खास ख्याल रखा जाता है। अगर हम इक्कीसवीं सदी की बात करे तो यहां की महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला काम कर रही है। अब तो भारत की संसद ने भी महिलाओं के लिये लोकसभा व विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक पास कर दिया है। उससे आने वाले समय में भारत की राजनीति में महिलाओं की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो जायेगी। देश में महिलाओं को अब सेना में भी महत्वपूर्ण पदो पर तैनात किया जाने लगा है। जो महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। यहां महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार है। महिलायें देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है तथा विकास में भी बराबर की भागीदार है। आज के युग में महिला पुरुषों के साथ ही नहीं बल्कि उनसे दो कदम आगे निकल चुकी है। महिलाओं के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। भारतीय संविधान के अनुसार महिलाओं को भी पुरुषों के समान जीवन जीने का हक है। भारत में नारी को देवी के रूप में देखा गया है। कहा जाता है कि जहां नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं। प्राचीन काल से ही यहां महिलाओं को समाज में विशिष्ट आदर एवं सम्मान दिया जाता है। भारत में वर्षों से महिला सुरक्षा से जुड़े कई कानून बने है। इसमें हिंदू विडो रीमैरिज एक्ट 1856, इंडियन पीनल कोड 1860, मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट 1861, क्रिस्चियन मैरिज एक्ट 1872, मैरिड वीमेन प्रॉपर्टी एक्ट 1874,चाइल्ड मैरिज एक्ट 1929, स्पेशल मैरिज एक्ट 1954, हिन्दू मैरिज एक्ट 1955, फॉरेन मैरिज एक्ट 1969, इंडियन डाइवोर्स एक्ट 1969, मुस्लिम वुमन प्रोटेक्शन एक्ट 1986, नेशनल कमीशन फॉर वुमन एक्ट 1990, सेक्सुअल हर्रास्मेंट ऑफ वुमन एट वर्किंग प्लेस एक्ट 2013 आदि। इसके अलावा 7 मई 2015 को लोक सभा ने और 22 दिसम्बर 2015 को राज्य सभा ने जुवेनाइल जस्टिस बिल में भी बदलाव किया है। इसके अन्तर्गत यदि कोई 16 से 18 साल का किशोर जघन्य अपराध में लिप्त पाया जाता है तो उसे भी कठोर सजा का प्रावधान है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक साल 2023 में भारत में महिलाओं के खिलाफ कुल 4,05,861 अपराध दर्ज किए गए। इन अपराधों में बलात्कार, छेड़छाड़, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, साइबर अपराध, और अपहरण जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा मामले घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न के सामने आए हैं, जो समाज में महिलाओं की सुरक्षा के प्रति हमारी उदासीनता को दर्शाते हैं। इससे पहले 2022 में 4,45,256 मामले, 2021 में 4,28,278 मामले, 2020 में 3,71,503 मामले दर्ज किए गए थे। राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा। राष्ट्रीय महिला आयोग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश भर से पूरे साल में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 28,811 शिकायतें मिलीं। इसमें 16 हजार से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश राज्य से आए हैं।

आंकड़े हैरान कर देने वाली हैं। क्योंकि आयोग में ये शिकायत गरिमा के अधिकार कैटेगरी के अंतर्गत दर्ज किया गया है। इसके बाद दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 2,411 मामले दर्ज किए गए। महाराष्ट्र में 1,343, बिहार में 1,312 और मध्य प्रदेश में 1,165 इतने मामले दर्ज किए गए हैं। 2023 के 12 महीने बाद जारी किए गए इस रिपोर्ट में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध में दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म जैसे अपराध दर्ज किए गए हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की यह रिपोर्ट महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता दिखाती है। आंकड़ों के मुताबिक देश भर में यौन उत्पीड़न के 805 मामले, साइबर अपराध के 605 मामले, पीछा करने की 472 मामले और सम्मान से जुड़े अपराध के खिलाफ 409 शिकायतें दर्ज कराई गईं। आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बलात्कार के मामले भी शामिल हैं। साल 2023 में बलात्कार और बलात्कार के प्रयास के 1,537 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद गरिमा के अधिकार के तहत 8,540, घरेलू हिंसा के 6,274, दहेज उत्पीड़न के 4,797, छेड़छाड़ के 2,349,और महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता के 1,618 मामले दर्ज किए गए। 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले 2022 की तुलना में कम हुए हैं। 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 30,864 मामले दर्ज किए गए थे।

मेष राशिः के जातकों के लिए आज का दिन काफी अनुकूल रह सकता है। व्यापार या कामकाज से जुड़े मामलों में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं, जिससे आय में वृद्धि के संकेत दिखाई दे रहे हैं। आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में बेहतर हो सकती है। किसी भी काम में जल्दबाजी करने के बजाय धैर्य के साथ आगे बढ़ना अधिक लाभदायक रहेगा।

वृष राशिः के लोगों के लिए शुक्रवार का दिन संतुलित और सहयोग देने वाला रह सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का अवसर मिल सकता है, जिसे आप अपनी मेहनत और क्षमता से पूरा करने में सफल रहेंगे। चुनौतियों का सामना आत्मविश्वास के साथ करने पर परिणाम आपके पक्ष में आ सकते हैं। पारिवारिक जीवन में शांति और आपसी समझ बढ़ेगी।

मिथुन राशिः के जातकों के लिए आज भाग्य का साथ मिलने के संकेत हैं। लंबे समय से रुके हुए या अधूरे कार्य किसी की मदद से पूरे हो सकते हैं। बातचीत करते समय शब्दों का चयन सोच-समझकर करना लाभदायक रहेगा। संपत्ति से जुड़े मामलों में भी सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है, खासकर यदि आप जमीन या प्रॉपर्टी से जुड़े निर्णय लेने की सोच रहे हैं।

कर्क राशिः वालों के लिए शुक्रवार का दिन सुखद अनुभव लेकर आ सकता है। जिन कार्यों को आप पूरा करना चाहते हैं, उनमें अपेक्षाकृत आसानी से सफलता मिल सकती है। व्यापार से जुड़े लोगों को किसी महत्वपूर्ण बैठक या चर्चा से लाभ मिलने की संभावना है। नौकरी करने वालों के लिए भी प्रगति के संकेत मिल सकते हैं और कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों की सराहना हो सकती है।

सिंह राशिः के लोगों के लिए आज का दिन व्यस्त लेकिन परिणाम देने वाला रह सकता है। कार्यक्षेत्र में बड़ी जिम्मेदारी मिलने की संभावना है और आने वाले समय की योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। व्यापार से जुड़े लोगों को किसी नई साझेदारी या समझौते से आर्थिक लाभ मिल सकता है। पिछले कुछ समय से चल रही रुकावटें धीरे-धीरे दूर होने लगेंगी।

कन्या राशिः के जातकों के लिए आज का दिन व्यापार और कामकाज के लिहाज से लाभकारी साबित हो सकता है। परिवार या बड़े भाई की सलाह से व्यवसाय में नए अवसर मिल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को आगे बढ़ने का मौका मिल सकता है और उनकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम सामने आ सकता है।

तुला राशिः के लोगों के लिए आज का दिन सामान्य लेकिन अवसरों से भरा रह सकता है। प्रॉपर्टी या निवेश से जुड़े मामलों में सोच-समझकर कदम उठाने का समय है। आय के नए स्रोत मिलने की संभावना भी बन सकती है, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। छात्रों को पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं में सकारात्मक परिणाम मिलने के संकेत हैं।

वृश्चिक राशिः के जातकों के लिए शुक्रवार का दिन सकारात्मक परिणाम देने वाला हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यक्षमता और मेहनत आपको आगे बढ़ने में मदद कर सकती है। हालांकि कुछ लोगों से सतर्क रहने की आवश्यकता हो सकती है, इसलिए निर्णय लेते समय सावधानी रखें।

धनु राशि :के लोगों के लिए आज का दिन उत्साह और आत्मविश्वास से भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में आपके काम और व्यवहार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप किसी नए काम की शुरुआत करने की सोच रहे हैं तो भविष्य में इससे अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

मकर राशिः के जातकों के लिए शुक्रवार का दिन संतुलित रहने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में किसी भी काम को खुद की निगरानी में करना बेहतर रहेगा। व्यापार में साझेदारी या नई योजनाओं को लागू करते समय सोच-समझकर निर्णय लेना आवश्यक होगा। परिवार में पहले से चल रही किसी गलतफहमी का समाधान निकल सकता है, जिससे माहौल बेहतर होगा।

कुंभ राशि :वालों के लिए आज का दिन प्रगति और अवसर लेकर आ सकता है। प्रॉपर्टी या जमीन से जुड़े मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं, खासकर यदि कोई पुराना सौदा लंबित है। आर्थिक लाभ के संकेत भी दिखाई दे रहे हैं। पुराने मित्रों से संपर्क होने की संभावना है, जिससे पुरानी यादें ताजा हो सकती हैं।

मीन राशिः के जातकों के लिए शुक्रवार का दिन संतोषजनक रह सकता है। व्यापार से जुड़े लोगों को सामान्य से अधिक लाभ मिलने के संकेत हैं, खासकर यात्रा या सेवा से जुड़े कार्यों में। लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिलने की संभावना बन सकती है, जिससे आर्थिक राहत मिलेगी। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा और घर का वातावरण सकारात्मक रहेगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

टी20 वर्ल्ड कप 2026 फाइनल

अहमदाबाद की पिच पर बल्लेबाजों का दबदबा, 200 रन के पार जा सकता है स्कोर

एजेंसी, नई दिल्ली

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबला 8 मार्च को टीम इंडिया और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाना हैं। जहां डिफेंडिंग चैंपियन भारत के सामने कीवी टीम कड़ी चुनौती पेश करेगी। एक रिपोर्ट्स के अनुसार इस मैच के लिए तैयार की गई पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जा रही है और यहां लगभग 200 रन या उससे अधिक का स्कोर प्रतिस्पर्धी माना जा सकता है। मिली जानकारी के मुताबिक फाइनल मुकाबला सेंटर विकेट पर खेला जाएगा। इसी पिच का उपयोग पहले एक मैच में किया गया था, जिसमें साउथ अफ्रीका ने कनाडा टीम के खिलाफ 213/4 का बड़ा स्कोर बनाया था और 57 रन से जीत दर्ज की थी। इससे संकेत मिलते हैं कि पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल रह सकती है और यहां हाई-स्कोरिंग मुकाबला देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट के अनुसार इस विकेट पर स्पिन गेंदबाजों को ज्यादा मदद मिलने की संभावना कम है, जबकि तेज गेंदबाजों को अच्छी गति और उछाल मिल सकती है। पिच का व्यवहार कुछ हद तक मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम की पिच जैसा रहने की उम्मीद जताई जा रही है। इसी मैदान पर भारत ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। बताया जा रहा है कि फाइनल के लिए तैयार की गई पिच पूरी तरह ताजा होगी और इसे लाल तथा काली मिट्टी के मिश्रण से तैयार किया गया है। यह पिच 2023 के आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में इस्तेमाल की गई पिच से काफी अलग होगी। उस समय इस्तेमाल की गई पिच पूरी तरह काली मिट्टी की थी और पहले से उपयोग में लाई जा चुकी थी, जिसके कारण वह धीमी और कम उछाल वाली हो गई थी। 2023 के फाइनल में भारतीय टीम 240 रन पर ऑलआउट हो गई थी, जो बाद में कम स्कोर साबित हुआ। आस्ट्रेलियाई टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 6 विकेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम कर लिया था। उस समय पिच चयन को लेकर काफी विवाद भी हुआ था। आमतौर पर आईसीसी टूर्नामेंट में पिच की तैयारी आईसीसी के क्यूरेटर की निगरानी में होती है, लेकिन उस फाइनल के दौरान खबरें आई थीं कि बीसीसीआई और भारतीय टीम ने पिच चयन में अपनी राय दी थी। बाद में उस फैसले की काफी आलोचना हुई थी। इस बार यह स्पष्ट नहीं है कि पिच तैयार करने में भारतीय टीम या बीसीसीआई की कितनी भूमिका रही है, लेकिन अगर पिच सपाट और बल्लेबाजी के अनुकूल रहती है तो इसका फायदा भारत के आक्रामक बल्लेबाजों को मिल सकता है। खासकर सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ी ऐसे विकेट पर तेजी से रन बना सकते हैं। आमतौर पर कठिन और धीमी पिचें कमजोर टीमों को मुकाबले में बने रहने का मौका देती हैं, क्योंकि बड़े स्कोर बनाना मुश्किल हो जाता है। वहीं सपाट पिच पर मजबूत और अनुभवी बल्लेबाजी लाइनअप वाली टीमों को बढ़त मिलती है। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने 253 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था, लेकिन मुकाबला काफी करीबी रहा और टीम सिर्फ 7 रन से जीत पाई। उस मैच में जसप्रीम बुमराह को छोड़कर बाकी गेंदबाजों ने काफी रन खर्च किए थे। ऐसे में अगर फाइनल मुकाबला भी बल्लेबाजी के अनुकूल पिच पर खेला जाता है तो भारतीय गेंदबाजों के लिए असली परीक्षा होगी। टीम को बुमराह के साथ वरुण चक्रवर्ती और हार्दिक पाण्डया से न्यूजीलैंड के मजबूत बल्लेबाजी क्रम के खिलाफ अहम विकेट लेने की उम्मीद रहेगी।

फायनल में बदलाव करने की जरूरत नहीं: रवि शास्त्री

अभिषेक शर्मा को मानसिक रूप से मजबूत करें, संजू सैमसन की बल्लेबाजी मजबूत

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शस्त्री का मानना है कि टीम प्रबंधन को अभिषेक शर्मा का मनोबल बढ़ाना चाहिए और उन्हें अपनी क्षमता पर विश्वास रखने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उनके अनुसार खिलाड़ी को यह भरोसा दिलाना जरूरी है कि टीम उसके साथ खड़ी है और उसे अपनी ताकत के अनुसार खेलना चाहिए। शास्त्री ने उम्मीद जताई कि न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाला फाइनल मुकाबला अभिषेक शर्मा के लिए टूर्नामेंट का सबसे बेहतरीन मैच साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि जब टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही हो तो उसमें बदलाव करने की जरूरत नहीं होती। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शस्त्री का मानना है कि संजु

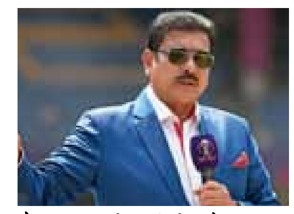

सैमसन बल्लेबाजी के दौरान अब पहले से अधिक मानसिक रूप से मजबूत हो गए हैं और यही बदलाव उनके हालिया प्रदर्शन में साफ दिखाई दे रहा है। शास्त्री के अनुसार टी20 विश्व कप में सैमसन के बेहतर नतीजों के पीछे उनकी बढ़ी हुई एकाग्रता और बेहतर शॉट चयन बड़ी वजह है। शास्त्री ने कहा कि सैमसन के पास हर तरह के शॉट खेलने की क्षमता है, लेकिन पहले अक्सर उनकी एकाग्रता में कमी देखने को मिलती थी। उनका मानना है कि अब सैमसन को इस बात का एहसास हो गया है कि उन्हें अपनी बल्लेबाजी के दौरान ज्यादा फोकस और समझदारी दिखानी होगी। उन्होंने कहा कि सैमसन को अपनी ताकत पर भरोसा रखते हुए उसी के अनुसार बल्लेबाजी करनी चाहिए। पूर्व कोच के मुताबिक सैमसन की प्रतिभा पर कभी किसी को संदेह नहीं रहा, लेकिन अब वह मानसिक रूप से भी काफी मजबूत नजर आ रहे हैं। शास्त्री ने कहा कि जब कोई बल्लेबाज क्लास, टच और पावर के साथ शॉट लगाता है तो उसकी बल्लेबाजी देखने में बेहद शानदार लगती है और सैमसन में यह सभी खूबियां मौजूद हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सैमसन अभी केवल 31 वर्ष के हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अभी बाकी है।

टी20 में डेथ ओवर्स के अविश्वसनीय मास्टर हैं जसप्रीत बुमराह

एजेंसी, नई दिल्ली

टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में डेथ ओवर्स में अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। इंग्लैंड के खिलाफ हाई-स्कोरिंग सेमीफाइनल में बुमराह ने साबित कर दिया कि उनके मुकाबले डेथ ओवर्स में कोई टिक नहीं सकता। उनके ओवरों की गति, सटीक लाइन और बल्लेबाजों को कमाल की चुनौती देना उन्हें टी20 क्रिकेट का सबसे खतरनाक गेंदबाज बनाता है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 से लेकर 2026 के सेमीफाइनल तक बुमराह ने 9 मैचों में डेथ ओवर्स की जिम्मेदारी संभाली। इन 14 ओवरों में उन्होंने केवल एक छक्का खाया और 9 विकेट भारत को दिलाए। 82 गेंदों में उन्होंने विपक्षी टीमों को केवल 60 रन बनाने दिए, जिससे उनका इकॉनमी रेट महज

4.39 रहा। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि उनके सामने कोई भी बल्लेबाज आसानी से रन नहीं बना सकता। खास बात यह है कि उन्होंने पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ भी यह रिकॉर्ड कायम रखा। डेथ ओवर्स में आमतौर पर रन रेट 10 या उससे अधिक होता है, लेकिन बुमराह ने इसे पूरी तरह नियंत्रण में रखा। आईपीएल में बुमराह की कीमत और भी चर्चा का विषय रही है। मुंबई इंडियंस ने हमेशा उन्हें रिटेन किया, इसलिए ऑक्शन में उनका नाम कभी नहीं आया। अगर वे मेगा ऑक्शन में उपलब्ध होते, तो उनकी कीमत 30 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती थी। आईपीएल 2025 से पहले उन्हें मुंबई इंडियंस से 20 करोड़ रुपये से कम में रिटेन किया गया था। बुमराह की यह विशेषज्ञता किसी भी टीम के लिए भारी साबित हो सकती थी। सेमीफाइनल में उनके हर ओवर ने टीम इंडिया को निर्णायक समय पर मजबूती दी। डेथ ओवर्स में उनका दबदबा भारत की जीत में अहम भूमिका निभाता है। जसप्रीत बुमराह के लगातार शानदार प्रदर्शन ने उन्हें न केवल भारत की टीम में बल्कि विश्व क्रिकेट में भी डेथ ओवर्स का सबसे खतरनाक गेंदबाज बना दिया है। उनकी क्षमता, संयम और अनुभव टीम इंडिया के लिए मैच जीतने का बड़ा हथियार है।

मैकुलम के बचाव में उतरे ब्रूक

एजेंसी, मुंबई

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान हैरी ब्रुक ने टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का समर्थन करते हुए कहा है कि टीम विश्वकप से बाहर होने बाद भी उन्हें पद पर बनाये रखना चाहेगी। ब्रुक ने कहा कि सभी खिलाड़ी कोच के मार्गदर्शन से प्रेरित हैं और चाहेंगे कि वह टीम के साथ बने रहें। वहीं सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम के हाथों मिली हार के बाद आलोचकों ने कोच पर सवाल उठाये हैं और उनकी आक्रामक रणनिति की समीक्षा की बात कही है। हार के बाद सबसे ज्यादा आलोचना मैकुलम की ही हुई है। यहां तक कि उनके भविष्य पर भी सवाल उठने लगे हैं। वहीं ब्रूक उनके बचाव में उतरें है। ब्रूक चाहते हैं कि मैकुलम अपने पद पर बने रहें। ब्रूक ने कहा कि अगर ईसीबी ब्रेंडन मैकुलम को हेड कोच बनाए रखने के बारे में उनकी राय पूछेगी तो वह उनके पक्ष में रहेंगे।ब्रूक ने कहा, जिस तरह से वह सबसे बात करते हैं, जिस तरह से ड्रेसिंग रूम में उनका

अपना एक आभामंडल है, हर कोई उनसे प्रेरणा लेता है। पिछले चार सालों में उन्होंने जो कुछ किया है, उसने इंग्लिश क्रिकेट काफी लाभ भी हुआ है। ब्रुक का समर्थन मिलने से कोच के रूप में मैकुलम के भविष्य को एक मजबूत सहारा जरुर मिला है। अब देखना होगा कि इंग्लैंड बोर्ड (ईसीबी) मैकुलम पर क्या फैसला लेती है। गौरतलब है कि टी20 विश्व कप में इंग्लैंड का प्रदर्शन सामान्य शुरुआत के बाद अच्छा रहा। पहले मैच में नेपाल के खिलाफ करीबी जीत के बाद टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बाद इंग्लैंड बिना कोई मैच हारे सुपर-8 में जगह बनाई। सुपर-8 में इंग्लैंड ने पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और श्रीलंका को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी पर सेमीफाइनल में 7 रनों से हार गयी।

फाइनल से पहले न्यूज़ीलैंड के ग्लेन फिलिप्स ने दी जसप्रीत बुमराह को चुनौती

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के खिलाड़ी ग्लेन फिलिप्स ने कहा है कि भारतीय तेज गेंदबाजी के स्टार जसप्रीत बुमराह विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं, लेकिन उनका भी कभी-कभी प्रदर्शन कमजोर हो सकता है। फिलिप्स ने यह बयान रविवार को टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल से पहले दिया, जिसमें भारत और न्यूजीलैंड आमने-सामने होंगे। फिलिप्स ने बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा, बुमराह एक शानदार गेंदबाज हैं। उनके पास कई तरह के वैरिएशन हैं और वह डेथ ओवरों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। लेकिन वह भी इंसान हैं और कभी-कभी उनका दिन खराब हो सकता है। हमारी टीम यही उम्मीद रखती है कि फाइनल में कुछ मौके हमें मिलेंगे, जिनका हम पूरा फायदा उठाएंगे। फिलिप्स ने इंग्लैंड के पिछले मुकाबले का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे इंग्लैंड ने अंतिम ओवरों में बुमराह के खिलाफ आक्रामक खेल खेला और खुद को जीत का मौका बढ़ाया। फिलिप्स ने कहा, इंग्लैंड ने बुमराह के खिलाफ सही रणनीति अपनाई थी और आखिरी दो ओवरों में उनके ऊपर दबाव बनाया। हमें भी फाइनल में उनके किसी भी चूक का फायदा उठाना होगा। फिलिप्स ने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड के पास खिलाड़ियों की संख्या भारत की तुलना में कम है, लेकिन टीम का हाई परफॉर्मेंस प्रोग्राम विशेष रूप से तैयार

किया गया है ताकि सीमित संसाधनों के बावजूद टीम अच्छा प्रदर्शन कर सके। उन्होंने अहमदाबाद की आबादी का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की आबादी लगभग 9.3 मिलियन है, जबकि न्यूजीलैंड की कुल आबादी केवल 5.36 मिलियन है, जो टीम के लिए चुनौतीपूर्ण माहौल बनाता है। गौरतलब है कि टी20 विश्व कप 2026 का फाइनल 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 7 रनों से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया था, जबकि न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को सिर्फ 12.5 ओवर में 170 रन का लक्ष्य चेज कर हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल से पहले बुमराह और न्यूजीलैंड के बीच यह मानसिक टकराव मैच को और रोमांचक बनाने वाला है।

व्यापार

सोना 3 दिन में 8720 सस्ता, 1.59 लाख पर आया:चांदी 29,125 गिरकर 2.61 लाख पर आई, 36 दिन में 1.25 लाख सस्ती हुई

नई दिल्ली। सोने और चांदी के दामों में आज यानी 6 मार्च (शुक्रवार) को लगातार तीसरे दिन गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,835 रुपए घटकर 1,58,751 पर आ गया है। इससे पहले गुरुवार को इसकी कीमत 1,60,586 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। सोना 3 दिन में 8,720 सस्ता हुआ है। वहीं एक किलो चांदी 3,489 रुपए गिरकर 2,60,723 पर आ गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2,64,212 लाख रुपए प्रति किलो थी। ये 3 दिन में 29,125 रुपए सस्ती हुई है। सोना-चांदी के दाम में ये गिरावट प्रॉफिट बुकिंग की वजह से आई है।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें- ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटीः सोना एक शहर से दूसरे शहर ले जाने में ईंधन और भारी सुरक्षा का खर्च आता है। आयात केंद्रों से दूरी बढ़ने पर ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ जाती है, जिससे स्थानीय दाम बढ़ जाते हैं।

खरीदारी की मात्रा : दक्षिण भारत जैसे इलाकों में खपत ज्यादा (करीब 40%) होने के कारण ज्वेलर्स भारी मात्रा में सोना खरीदते हैं। बल्क खरीदारी पर मिलने वाली छूट का फायदा

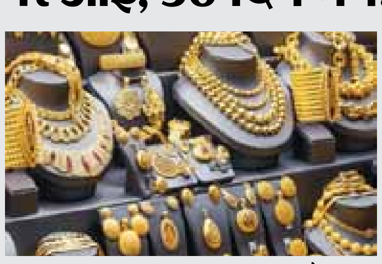

ग्राहकों को कम दाम के रूप में मिलता है।

लोकल ज्वेलरी एसोसिएशनः हर राज्य और शहर के अपने ज्वेलरी एसोसिएशन (जैसे तमिलनाडु में मद्रास ज्वेलर्स एसोसिएशन) होते हैं। ये संगठन स्थानीय मांग और सप्लाई के आधार पर अपने इलाके के लिए सोने का रेट तय करते हैं।

पुराना स्टॉक और खरीद मूल्यः ज्वेलर्स ने अपना स्टॉक किस रेट पर खरीदा है, यह भी मायने रखता है। जिन ज्वेलर्स के पास पुराने और सस्ते रेट पर खरीदा हुआ स्टॉक होता है, वे ग्राहकों से कम कीमत वसूल सकते हैं।

ऑल टाइम हाई से 1.25 लाख रुपए गिरी चांदी- इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2026 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 17,370 रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक 36 दिन में चांदी 1,25,210 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यानः-

1. **सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदेंः** हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।
2. **कीमत क्रॉस चेक करेंः** सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

सेंसेक्स और निफ्टी में दिखा एक साल से भी ज्यादा का दबाव

- कमजोर ग्लोबल संकेतों, गिरते रुपये और एफआईआई की लगातार बिकवाली ने बाजार में दबाव बढ़ाया

मुंबई। इस हफ्ते 6 मार्च को समाप्त भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के लिए चुनौतीपूर्ण समय रहा। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों में लगातार गिरावट देखी गई, जिससे निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता प्रभावित हुई। कमजोर ग्लोबल संकेतों, गिरते रुपये और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली ने बाजार में दबाव बढ़ाया। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने भी निवेशकों की चिंता को बढ़ाया। परिणामस्वरूप हफ्ते के अंत में सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह होली के अवसर पर शेयर बाजार 3 मार्च को बंद रहा, जिसकी वजह से घरेलू शेयर बाजार में एक दिन कम कारोबार हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को ही बाजार लाल निशान में शुरू हुआ। शुरुआती सत्र में भारी बिकवाली से सेंसेक्स 1,048.34 अंक गिरकर 80,238.85 अंक पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 312.95 अंक की गिरावट के साथ 24,865.70 पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेत निवेशकों की सतर्कता को बढ़ाने वाले

मुख्य कारण रहे। बुधवार को भी स्थिति अनुकूल नहीं रही। सेंसेक्स 1,122.66 अंक गिरकर 79,116.19 पर और निफ्टी 385.20 अंक गिरकर 24,480.50 पर बंद हुआ। हालांकि गुरुवार को वैश्विक बाजारों में उछाल और एक दिन की राहत के कारण बाजार हरे निशान में कारोबार करता दिखा। सेंसेक्स 899.71 अंक बढ़कर 80,015.90 पर और निफ्टी 285.40 अंक की तेजी के साथ 24,765.90 पर बंद हुआ। शुक्रवार को फिर से बाजार दबाव में आया। अमेरिकी बाजारों की कमजोरी और एफआईआई की बिकवाली ने सेंसेक्स 1,097 अंक गिराकर 78,918.90 पर और निफ्टी 315.45 अंक गिराकर 24,450.45 पर बंद कराया। इस तरह सप्ताह के अंत तक निवेशकों में सतर्कता और जोखिम से बचने की प्रवृत्ति साफ तौर पर दिखाई दी।

पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल 55 रुपए महंगा:पेट्रोल 336 और डीजल 321 रुपए लीटर हुआ, अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का असर

नई दिल्ली। पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल में किल्लत के डर से पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ लग गई। पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल में किल्लत के डर से पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ लग गई। पाकिस्तान ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 20% की बढ़ोतरी की है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 55 रुपए (पाकिस्तानी रुपया) प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत अब 335.86 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं डीजल 321.17 रुपए प्रति लीटर के स्तर पर पहुंच गया है। सरकार का तर्क है कि अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग व मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम तेजी से बढ़े हैं, जिसकी वजह से यह फैसला लेना पड़ा।

घरेलू सिलेंडर के दाम 60 रुपए बढ़े:ईरान जंग से रसोई गैस की किल्लत की आशंका; सरकार का LPG प्रोडक्शन बढ़ाने का आदेश

नई दिल्ली। सरकार ने कहा- रिफाइनरी कंपनियां प्रोपेन और ब्यूटेन का इस्तेमाल सिर्फ रसोई गैस बनाने के लिए करें। सरकार ने कहा- रिफाइनरी कंपनियां प्रोपेन और ब्यूटेन का इस्तेमाल सिर्फ रसोई गैस बनाने के लिए करें। केंद्र सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर 60 रुपए महंगा कर दिया है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम की LPG गैस अब 913 रुपए की मिलेगी। पहले यह 853 रुपए की थी। वहीं 19 किग्रा वाले कॉमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपए का इजाफा किया गया है। यह अब 1883 रुपए का मिलेगा। बढ़ी हुई कीमतें 7 मार्च से लागू हो गई है। इससे पहले सरकार ने 8 अप्रैल 2025 को घरेलू सिलेंडर के दामों में 50 रुपए का इजाफा किया था। यानी ये बढ़ोतरी करीब एक साल बाद की गई है। वहीं 1 मार्च 2026 को कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 31 रुपए तक बढ़ाए गए थे। सरकार ने

गैस के दामों में बढ़ोत्तरी ऐसे वक्त की है जब अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के चलते देश में गैस किल्लत की आशंका जताई गई है।

सिलेंडर की किल्लत रोकने के लिए LPG उत्पादन बढ़ाने का आदेश- सरकार ने 5 मार्च को इमरजेंसी पावर इस्तेमाल करते हुए देश की सभी ऑयल रिफाइनरी कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का आदेश दिया था। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव से गैस की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इसी खतरे को देखते हुए सरकार ने यह आदेश जारी किया। इसमें कहा गया है कि अब रिफाइनरियां प्रोपेन और ब्यूटेन का इस्तेमाल सिर्फ रसोई गैस बनाने के लिए करेंगी। सभी कंपनियों को प्रोपेन और ब्यूटेन की सप्लाई सरकारी तेल कंपनियों को करनी होगी। सरकारी तेल कंपनियों में इंडियन ऑयल (IOC), हिंदुस्तान पेट्रोलियम (HPCL) और भारत पेट्रोलियम (BPCL) शामिल है। इसका मकसद कंज्यूमर्स को बिना रुकावट गैस सिलेंडर की सप्लाई है।

सप्लाई संकट की 2 वजहः-

1. **'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' का लगभग बंद होना-** भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' का बंद होना है। ये करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। ईरान जंग के कारण यह रूट अब सुरक्षित नहीं रहा है। खतरे को देखते हुए कोई भी तेल टैंकर वहां से नहीं गुजर रहा। दुनिया के कुल पेट्रोलियम का 20% हिस्सा यहीं से गुजरता है।

रूस से कच्चा तेल खरीद सकेगा भारत:ईरान जंग के कारण अमेरिका ने 3 अप्रैल तक रियायत दी, क्रूड ऑयल की कीमत 89 डॉलर के पार

नई दिल्ली। मिडिल-ईस्ट युद्ध के कारण कच्चा तेल 89 डॉलर के पार चला गया है। मिडिल-ईस्ट युद्ध के कारण कच्चा तेल 89 डॉलर के पार चला गया है। भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने का संकट फिलहाल खत्म हो गया है, क्योंकि भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने की शर्तों के साथ छूट मिल गई है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने भारतीय रिफाइनरियों को 30 दिन का स्पेशल लाइसेंस दिया है। ये लाइसेंस 3 अप्रैल तक वैलिड रहेगा। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने 6 मार्च को बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत यह अस्थायी कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण पार्टनर हैं और ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई को स्थिर रखने के लिए यह छूट दी गई है। इस बीच ब्रेंट क्रूड

ऑयल की कीमत आज 4% बढ़कर 89.18 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। यह अप्रैल 2024 के बाद इसका उच्चतम स्तर है।

अमेरिका से भी तेल खरीद बढ़ने की उम्मीद- बेसेंट ने कहा कि ईरान ग्लोबल एनर्जी मार्केट को बंधक बनाने की कोशिश कर रहा है। इस दबाव को कम करने के लिए हम भारत को यह 30 दिनों की छूट दे रहे हैं। उन्होंने कहा- हमें ये उम्मीद है कि इसके बाद भारत अमेरिकी तेल की खरीद में तेजी लाएगा। अमेरिका का मानना है इस उपाय से ग्लोबल मार्केट में तेल की कमी नहीं होगी।

डिजिटल फ्रॉड होने पर 25,000 तक का मुआवजा मिलेगा:RBI का नया ड्राफ्ट फ्रेमवर्क तैयार, 6 अप्रैल तक इस पर सुझाव मांगे

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने डिजिटल ट्रांजैक्शन में होने वाले फ्रॉड से ग्राहकों को बचाने के लिए नया ड्राफ्ट फ्रेमवर्क 'कस्टमर लायबिलिटी इन डिजिटल ट्रांजैक्शंस' जारी किया है। इसके तहत अगर किसी ग्राहक के साथ डिजिटल धोखाधड़ी होती है और वह इसकी तुरंत रिपोर्ट करता है, तो उसे 25,000 रुपए तक का मुआवजा मिल सकता है। नए नियमों का उद्देश्य बैंक शिकायतों के निपटारे में लगने वाले समय को कम करना और छोटे मूल्य के फ्रॉड के लिए एक बेहतर मुआवजा मैकेनिज्म तैयार करना है। आरबीआई ने इस ड्राफ्ट पर जनता और स्टेकहोल्डर्स से 6 अप्रैल, 2026 तक सुझाव मांगे हैं। इसके बाद सरकार इसे लागू करेगी।

फ्रॉड की रकम का 85% तक वापस मिल सकेगा- प्रस्तावित नियमों के अनुसार, यदि 50,000

रुपए तक का डिजिटल फ्रॉड होता है और ग्राहक समय पर इसकी सूचना देता है, तो उसे नुकसान का 85% या 25,000 (जो भी कम हो) वापस मिल सकता है। RBI का मानना है कि इससे न केवल ग्राहकों का भरोसा बढ़ेगा, बल्कि डिजिटल पेमेंट ईकोसिस्टम और भी सुरक्षित होगा। यह मुआवजा मैकेनिज्म लागू होने की तारीख से एक साल तक प्रभावी रहेगा, जिसके बाद इसके अनुभवों के आधार पर इसकी समीक्षा की जाएगी।

उदाहरण से समझें फ्रॉड होने पर कितना पैसा वापस मिलेगाः-

पहली स्थिति : अगर 10,000 का फ्रॉड हुआ, तो 85% के हिसाब से 8,500 वापस मिलेंगे।

दूसरी स्थिति : अगर 40,000 का फ्रॉड हुआ, तो 85% के हिसाब से 34,000 बनते हैं, लेकिन लिमिट 25,000 है, इसलिए 25,000 ही मिलेंगे।

2017 के नियमों में बदलाव की जरूरत क्यों पड़ी- आरबीआई ने बताया कि मौजूदा नियम साल 2017 में जारी किए गए थे। पिछले 7-8 सालों में डिजिटल बैंकिंग और पेमेंट का तरीका पूरी तरह बदल चुका है। अब अनधिकृत ट्रांजेक्शन के अलावा भी कई तरह के नए इलेक्ट्रॉनिक फ्रॉड सामने आ रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए पुराने नियमों का दायरा बढ़ाने का फैसला लिया गया है ताकि हर तरह की डिजिटल धोखाधड़ी को इसमें कवर किया जा सके।

द केरल स्टोरी 2 : गोज बियॉन्ड के नए गाने को आदिति भाटिया ने किया प्रमोट, शेयर किया वीडियो

भारतीय टेलीविजन और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री आदिति भाटिया ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर अपनी नई फिल्म द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड के नए गाने का एक वीडियो शेयर किया है। हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड के एक नए गाने का क्लिप शेयर करते हुए अदिति ने पोस्ट कैप्शन में लिखा, जब प्रेम भक्ति में बदल जाता है, तब राधा केवल एक नाम फुसफुसाती है – कान्हा। उन्होंने लिखा, कान्हा अब रिलीज हो चुकी है। इसी के साथ अभिनेत्री ने फिल्म को प्रोमोट करते हुए आगे लिखा, अब सहेंगे नहीं, लड़ेंगे। केरल स्टोरी 2 सिनेमाघरों में जारी है। वीडियो में एक्ट्रेस गुलाबी रंग के घाघरा-चोली में शानदार डांस करते नजर आ रही है। गाने में आदिती को आप भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में जमकर नृत्य करते देख सकते हैं। आदिति के फैंस को उनका यह वीडियो काफी पसंद आ रहा है। पोस्ट पर कुछ ही घंटे में हजारों व्यूज और लाइक्स आ चुके हैं। वहीं, फैंस कमेंट्स के माध्यम से वीडियो और अभिनेत्री पर अपना प्यार लगातार लुटा रहे हैं। आदिति भाटिया भारतीय हिंदी टेलीविजन और फिल्म इंडस्ट्री का एक जाना-माना चेहरा हैं, जो अपनी खूबसूरती के साथ-साथ लाजवाब एक्टिंग के लिए जानी जाती है। अभिनेत्री ने स्टार प्लस के शो ये है मोहब्बतें से फैंस के दिलों में असल पहचान बनाई, जिसमें उनके किरदार रूही को काफी पसंद किया गया। एक्ट्रेंस ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी और अब वह द केरल स्टोरी 2 जैसी फिल्मों में दमदार लीड रोल करते नजर आ रही हैं। इससे पहले अभिनेत्री कई हिंदी टेलीविजन सीरियल और रियलिटी शो में काम कर चुकी हैं और विभिन्न फिल्मों में अलग-अलग किरदार भी निभा चुकी हैं। भारतीय हिंदी भाषा की ड्रामा फिल्म द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड 27 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। मूवी का निर्देशन कामाख्या नारायण सिंह ने किया है, और विपुल अमृतलाल शाह ने सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले इसका निर्माण किया है। द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड में आदिति भाटिया के साथ उल्का गुप्ता और ऐश्वर्या ओझा मुख्य किरदार को निभाते नजर आएंगे। मूवी की कहानी मुख्य रूप से तीन ऐसी हिन्दू महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने परिवारों के खिलाफ जाकर मुस्लिम पुरुषों से शादी करती हैं। इसके बाद उन्हें जबरन धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जाता है। फिल्म में अदिति ने दिव्या का किरदार निभाया है।

कृति सेनन से बेहतर होने की जंग में यामी गौतम की सफाई, कहा, ऐसे पीआर हथकंडे नहीं अपनाती

सोशल मीडिया में इन दिनों 'बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड को लेकर बहस तेज हो गई है। अभिनेत्री यामी गौतम और कृति सेनन के प्रशंसकों के बीच यह विवाद छिड़ गया है कि दोनों में से बेहतर अभिनेत्री कौन है। दिलचस्प बात यह है कि यह पूरा विवाद यामी गौतम द्वारा एक सोशल मीडिया पोस्ट को 'लाइक करने के बाद शुरू हुआ। हालांकि, अब यामी गौतम ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा है कि उनका किसी भी अभिनेत्री को नीचा दिखाने का कोई इरादा नहीं था। यामी गौतम ने अपने 'लाइक को लेकर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि एक सेलिब्रिटी होने के कारण उन्हें रोजाना कई पोस्ट में टैग किया जाता है और कई बार यह स्पष्ट नहीं होता कि पोस्ट किसके संदर्भ में है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मुझे पता चला है कि मैंने एक ऐसी रील को 'लाइक किया है, जिसे किसी अन्य कलाकार के प्रति अपमानजनक माना जा रहा है। हमें रोजाना कई पोस्ट में टैग किया जाता है और यह भी एक अवॉर्ड समारोह से जुड़ी किसी अन्य टैग की तरह ही दिखाई दिया। ऐसा बिल्कुल भी जानबूझकर नहीं किया गया था। संभव है कि यह गलती से क्लिक हो गया हो। यामी गौतम ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके पास कोई पीआर टीम नहीं है और उन्हें ऐसे 'घटिया पीआर हथकंडे अपनाने नहीं आते। दरअसल, जिस पोस्ट को यामी गौतम ने 'लाइक किया था, उसमें एक तरफ कृति सेनन की तस्वीर और दूसरी तरफ यामी गौतम की तस्वीर लगाई गई थी। पोस्ट में कृति सेनन की तुलना में यामी गौतम को 'बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड के लिए अधिक योग्य बताया गया था। गौरतलब है कि कृति सेनन को फिल्म 'तेरे इश्क में के लिए 'बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला था। इसी पोस्ट को लाइक किए जाने के बाद सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई और दोनों अभिनेत्रियों के प्रशंसक आपस में भिड़ गए। हालांकि, अब यामी गौतम ने अपने बयान के जरिए साफ कर दिया है कि यह सब अनजाने में हुआ और उनका किसी तरह का विवाद खड़ा करने का कोई इरादा नहीं था।

रश्मिका-विजय के रिसेप्शन में पहुंचीं नीना गुप्ता, फोटो शेयर कर दी शुभकामनाएं

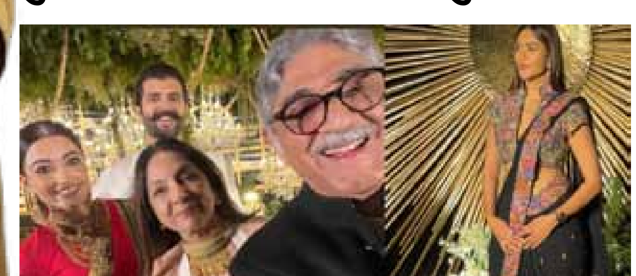

सोशल मीडिया पर इस समय पावर कपल रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के हैदराबाद में हुए रिसेप्शन की खूबसूरत तस्वीरें छाई हुई हैं, जिसमें साउथ से लेकर बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई दिग्गज एक्टर, एक्ट्रेस, डायरेक्टर, और नामी चेहरे ने स्टाइलिंश अंदाज में सिरकत की। बीते बुधवार को रश्मिका और विजय के रिसेप्शन में पहुंचे सेलेब्रिटीज में एक नाम नीना गुप्ता का भी है, जो हिंदी फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री की एक शानदार अभिनेत्री, निर्देशक और निर्माता हैं। कपल के रिसेप्शन में अभिनेत्री अपने पति विवेक मिश्रा के साथ पहुंची। अभिनेत्री के बीते दिन की एक खूबसूरत तस्वीर को गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। पोस्ट को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, आप दोनों और आपके परिवारों से मिलकर बहुत अच्छा लगा। आप सब बहुत ही मिलनसार, सम्मानजनक और प्यारे थे। भगवान आप दोनों को आशीर्वाद दें। नीना और विवेक की ओर से आपको दोनों को ढेर सारा प्यार। रश्मिका और विजय के साथ नीना और उनके पति की खूबसूरत तस्वीर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने फिर बढ़ाया भारत का मान, ऑस्कर 2026 की प्रेजेंटर्स लिस्ट में शामिल हुआ अभिनेत्री का नाम

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा जोनस हॉलीवुड में काफी समय से काम कर रही हैं। वहीं, 98वें अकादमी अवॉर्ड्स में वह पुरस्कार प्रदान करने वालीं प्रस्तुतकर्ताओं की लिस्ट में शामिल हो गई हैं। इस बात की पुष्टि अभिनेत्री ने खुद सोशल मीडिया के जरिए की। प्रियंका चोपड़ा ने शुक्रवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया। इसमें उनके नाम के साथ प्रस्तुतकर्ता के भी नाम शामिल हैं। अभिनेत्री ने लिखा, 2026 अकादमी अवॉर्ड्स। प्रियंका के साथ इस लिस्ट में रॉबर्ट डाउनी जूनियर, ऐनी हैथवे, विल अर्नेट, ग्वेनेथ पाल्ट्रो और पॉल मेस्कल जैसे बड़े नाम शामिल हैं। ये सितारे समारोह में मंच पर आएंगे और विभिन्न श्रेणियों के प्रतिष्ठित पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित करेंगे। पोस्ट शेयर करने के बाद प्रियंका के इंडस्ट्री के दोस्तों और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए। मशहूर स्टैंडअप कॉमेडियन जाकिर खान ने कमेंट सेक्शन पर लिखा, बधाई हो। आप सच में हीरो हैं। अकादमी अवॉर्ड्स फिल्म जगत में कलात्मक और तकनीकी के लिए दिए जाने वाला दुनिया का सबसे सम्मानित पुरस्कार है। इसे एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज द्वारा प्रदान किया जाता है। यह लॉस एंजिल्स में स्थित एक पेशेवर मानद संगठन है, जो सिनेमाई उपलब्धियों में उत्कृष्टता को मान्यता देता है। यह सम्मान फिल्म उद्योग में उत्कृष्ट निर्देशकों, कलाकारों और लेखकों को प्रतिवर्ष दिया जाता है। पहली बार 1929 में शुरू हुए ये अवॉर्ड्स मनोरंजन उद्योग के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित आयोजनों में शुमार हैं। प्रियंका जल्द ही एसएस राजामौली की फिल्म वाराणसी में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी नजर आएंगे। फिल्म के जरिए प्रियंका 7 साल बाद घर वापसी कर रही हैं और वे महेश बाबू के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी। साथ ही, यह एसएस राजामौली का प्रोजेक्ट है, जो कभी भी अपनी कहानी कहने के अंदाज से दर्शकों को निराश नहीं करते हैं। ये सब देखते हुए फैंस के बीच उत्साह चरम पर है।

आप हमारी यादों में हमेशा जीवित रहेंगी, अभिनेत्री शम्मी को जैकी श्रॉफ ने दी श्रद्धांजलि

हिंदी सिनेमा में करीब पांच दशकों तक अपनी सशक्त अदाकारी से दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली मशहूर अभिनेत्री शम्मी की शुक्रवार को पुण्यतिथि है। इस अवसर पर अभिनेता जैकी श्रॉफ ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जैकी श्रॉफ ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अभिनेत्री की एक पुरानी तस्वीर साझा की। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, आप हमारी यादों में हमेशा जीवित रहेंगी। जैकी श्रॉफ की इस पोस्ट को देखकर प्रशंसक भी भावुक हो गए। कई लोगों ने कमेंट करते हुए लिखा कि शम्मी जी की मुस्कान और उनकी सहज अदाकारी आज भी लोगों के दिलों में बसती है। शम्मी करीब छह दशकों तक मनोरंजन जगत में सक्रिय रहीं। उनका असली नाम नरगिस रबादी था, लेकिन बाद में वे 'शम्मी आंटी के नाम से बेहद लोकप्रिय हो गईं। उन्होंने फिल्मों में आंटी, नानी और परिवार की बुजुर्ग महिला जैसे अनेक किरदार निभाए, जिनकी बदौलत वे घर-घर में पहचानी जाने लगीं। उनके 'शम्मी नाम रखने के पीछे भी एक दिलचस्प कहानी बताई जाती है। कहा जाता है कि करियर के शुरुआती दौर में जब नरगिस रबादी काम की तलाश में थीं, तब उन्हें अपनी पहली फिल्म 'उस्ताद पेड्रो मिली। इस फिल्म के निर्माता शेख मुख्तार ने उन्हें अपना नाम बदलने की सलाह दी थी, क्योंकि उस समय अभिनेत्री नरगिस दत्त इंडस्ट्री का बड़ा नाम थीं। नाम की समानता से बचने के लिए नरगिस रबादी ने अपना नाम बदलकर 'शम्मी रख लिया। अभिनेत्री ने फिल्मों के अलावा, टेलीविजन में भी काम किया है। उन्होंने टीवी पर कॉमेडी में अपनी अमिट छाप छोड़ी, जिसमें देख भाई देख, जबान संभाल के, श्रीमान श्रीमती, कभी ये कभी वो, और फिल्मी चक्कर जैसे सीरियल शामिल हैं। वे फैशन डिजाइनर मणि रबादी की छोटी बहन थीं। फिल्म निर्माता सुल्तान अहमद के साथ उनकी शादी सात साल में टूट गई। वह अभिनेत्री नरगिस दत्त की बहुत अच्छी दोस्त थीं। अभिनेत्री ने मल्हार (1951), इल्जाम (1954), हलाकू (1956), दिल अपना और प्रीत पराई (1960), हाफ टिकट (1962), कुली नंबर 1 (1991), गोपी किशन (1994), हम साथ-साथ हैं (1999), और शिरीन फरहाद की तो निकल पड़ी (2013) जैसी फिल्मों में काम कर अपने अभिनय का लोहा मनवाया था।

'चरक का ट्रेलर हुआ रिलीज, गांव में होने वाले अंधविश्वास और तांत्रिक क्रियाओं से डराती है फिल्म

द केरल स्टोरी फेम निर्देशक सुदीप्तो सेन की आगामी फिल्म 'चरकः फेयर ऑफ फेथ का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। ट्रेलर में भारत के ग्रामीण इलाकों में फैले अंधविश्वास, रूढ़िवादिता और तंत्र-मंत्र से जुड़े कई सवाल उठाए गए हैं। जानते हैं कैसा है 'चरक का ट्रेलर और क्या है इसमें कुछ खास? ट्रेलर के शुरुआत में दिखाया गया है कि गांव से बच्चे गायब हो रहे हैं। इसके बाद उनके माता-पिता पुलिस के पास इसकी शिकायत दर्ज करवाने पहुंचते हैं। धीरे-धीरे आगे दिखाई देता है कि अघोरी बाबा, साथ ही कुछ लोग तंत्र-मंत्र से जुड़े होते हैं। आगे दिखाया गया है कि चरक मेले में लोग अंधविश्वास से जुड़े होते हैं तांत्रिक क्रिया करते हैं। लेकिन इस बीच सवाल यही खड़ा होता है कि बच्चे कहां गायब हो रहे हैं और वो कैस मिलेंगे। चरक भारतीय तांत्रिक जगत के रहस्यमय और अनसुलझे पहलुओं को तलाशने की कोशिश करती है। इसमें मनोवैज्ञानिक रूप से गहराई से जुड़े किरदारों को एक विचलित कर देने वाले ट्रेडिनशन के साथ मिलाया गया है। टेलर में अंधविश्वाल, तंत्र-मंत्र की अलग-अलग विद्याओं और विधाओं के बारे में दिखाया गया है। इसमें अघोरी से लेकर बली देने की प्रथा तक शामिल है। शीलादित्य मौलिक द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अंजली पाटिल, साहिदुर रहमान, सुब्रत दत्ता, शशि भूषण, नलनीश नील, शंखदीप और शौनक श्यामल सहित कई जाने-माने कलाकार शामिल हैं। 'चरकः फेयर ऑफ फेथ एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सिनेमाई अनुभव प्रदान करता है, जो आस्था और कट्टरता के बीच की पतली रेखा पर सवाल उठाता है। यह फिल्म 6 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के ट्रेलर को देखकर इसको लेकर उत्साह बढ़ गया है।

मालामाल वीकली 2 के साथ लौटेगी रितेश देशमुख, परेश-राजपाल की तिकड़ी? फिर मचेगा धमाल

रितेश देशमुख, परेश रावल और राजपाल यादव की फिल्म मालामाल वीकली साल 2006 में रिलीज हुई थी। ताजा जानकारी में पता चला है कि इसकी दूसरी किस्त लाने की तैयारी चल रही है। जाहिर है कि हेरा फेरी, भागम भाग और खोसला का घोसला जैसी कल्ट फिल्मों का सीक्वल आने के लिए तैयार है। ऐसे में, 20 साल पहले आई मालामाल वीकली की दूसरी किस्त आना फैंस के लिए किसी बड़े तोहफे से कम साबित नहीं होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, एक सूत्र ने जानकारी देते हुए बताया, मालामाल वीकली 2 के लिए बातचीत शुरू हो गई है। फिल्म पर काम कर रही टीम को एक बेहतरीन आइडिया मिला है जो इस फिल्म के दूसरे भाग के लिए बिल्कुल सही होगा। उन्होंने आगे बताया, यह सीधा सीक्वल नहीं है। इस बार किरदार और पृष्ठभूमि अलग होंगे, लेकिन पहले भाग की तरह ही, यह लालची ग्रामीणों के एक समूह के बारे में होगा। सूत्र ने बताया, परेश ने अपनी सहमति दी है, लेकिन अभी कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया है। राजपाल और रितेश से बातचीत चल रही है। फिल्म मालामाल वीकली की कहानी एक गांव के इर्द-गिर्द घूमती है जहां एक शख्स की 1 करोड़ रुपये की लॉटरी लग जाती है। हालांकि, इसे जीतने की खुशी में उसकी मौत हो जाती है। इसके बाद लॉटरी हथियाने के चक्कर में अन्य गांववाले अजीबोगरीब कारनामे करते हैं। फिल्म में दिवंगत अभिनेता ओम पुरी भी थे।

Amritsar BJP workers upbeat over Taranjit Singh Sandhu's appointment as Delhi Lt Governor

New Delhi, Agency: A day after India's former ambassador to the US and BJP candidate for Amritsar Lok Sabha seat, Taranjit Singh Sandhu was appointed the Lieutenant Governor of Delhi, Amritsar BJP leaders and workers were upbeat at his elevation.

Hailing from Amritsar, Sandhu comes from a prominent Sikh family. BJP leaders were of the view that his appointment will help turn around the fortunes of the party in Punjab in general and the district in particular.

His family hails from Rai Buri Ka village of Tarn Taran, which was earlier part of Amritsar district. The 1988 batch Indian Foreign Service (IFS) officer started his political debut from Amritsar after joining the BJP.

Sandhu is the grandson of Teja Singh Samundri, who played a major role in the Gurdwara Reform Movement and the Civil Disobedience Movement, and served in the Indian Foreign Service for 38 years. His grandfather was a founder-member of

the SGPC and in recognition of his services to the Sikh Panth, the SGPC named its headquarters in Amritsar as "Teja Singh Samundri Hall".

"Before Partition, Sandhu's grandfather Teja Singh's father Deva Singh served in the armed forces. When he retired, he was awarded around 25 acres of land for his distinguished service in Samundri area located in the Punjab province of Pakistan. In those times, instead of mentioning caste after the name, the introduction was given by adding the area the person belonged to. Thereafter, Teja Singh wrote Samundri after his name. He came into the limelight during the Gurdwara Reform Movement. His son Bishan Singh (Sandhu's father), also continued to write his name as Bishan Singh Samundri," informed a source.

His father Bishan Singh Samundri was the founding vice-chancellor of Guru Nanak University and also served as the principal of Khalsa College in Amritsar. His mother Jagjit Kaur Sandhu completed her doctorate in the US and returned to serve as the principal of the Government College for Women, Amritsar.

PWD begins overhaul of drainage infra in east Delhi

New Delhi, Agency: Public Works Department (PWD) has begun upgrading drainage infrastructure in parts of east Delhi to tackle chronic waterlogging ahead of the monsoon. The department has allocated Rs 8.9 crore for drainage improvement on Neelam Mata Mandir Road and adjoining areas. The project involves constructing and upgrading drains, installing drain covers and building box culverts to improve stormwater flow and reduce flooding.

Officials said the work includes replacing existing stormwater drains along the stretch and executing all related civil works, including foundation, substructure and superstructure tasks. Sludge from existing drains will be cleared and transported to authorised municipal dumping sites under the direction of the engineer-in-charge.

Safety and traffic management provisions form a key part of the contract conditions. According to officials, footpath development will follow the Unified Traffic and Transportation Infrastructure (Planning and Engineering) Centre guidelines. The selected agency will prepare layout plans and cross-sectional drawings for departmental approval before construction begins.

Structural drawings will be prepared by an approved consultant and vetted by IIT Delhi or another govt institute when required.

Additionally, Rs 1.1 crore has been sanctioned for constructing a box culvert on Kotla Road and nearby areas in Shashi Garden and the Auto Market to address recurring waterlogging.

Officials said these projects form part of a broader push to strengthen Delhi's drainage network before the monsoon.

Couple alleges molestation to stage robbery on bus; arrested

New Delhi, Agency: A husband-wife duo allegedly staged a robbery on a moving bus by creating a commotion and then threatening a passenger with a knife, police said.

According to investigators, the couple - Deepak, 26, and his wife Dipali, 23 - allegedly used a ruse to single out their target. Dipali accused a fellow passenger of misbehaving with her, drawing the attention of other commuters and creating confusion inside the bus. As the passenger responded to the allegation, Deepak purportedly produced a knife-like object and threatened him, said police.

"The incident occurred around 11.50am on Thursday when the complainant, Ravi Kumar of Swaroop Nagar, was travelling towards The Mann School in Khera Khurd. As the bus approached Kheda Kalan, the couple allegedly targeted him," additional DCP (Outer North) Patel Nirav Kumar said.

Fearing for his safety, Kumar handed over his mobile phone and wallet containing Rs 7,600 in cash. The bus conductor made a PCR call. As the bus slowed down, Deepak allegedly tried to jump off and flee, while Dipali was caught by the complainant and bus staff. Police said the patrol team nearby responded after hearing the commotion, chased the suspects and apprehended them.

During the search, police recovered the complainant's mobile phone, the stolen wallet with identity documents, cash and the knife allegedly used in the crime.

Police said Deepak, a resident of Swaroop Nagar, had previous involvement in four cases of robbery and theft, and was released on bail in Dec last year.

A case has been registered. Police said they are verifying whether the couple had carried out similar robberies on public transport in the past.

DDA to take over day-to-day upkeep of flats from April

New Delhi, Agency: In a major move aimed at boosting the sale of its flats, including those constructed before 2021, Delhi Development Authority (DDA) has decided to take over day-to-day maintenance of these complexes.

The authority will collect quarterly charges from flat owners and provide routine services such as security, sweeping of common areas, cleaning of roof and overhead and underground water tanks, basement upkeep, maintenance of electrical installations and lifts, and cleaning of garbage chute areas.

The services will also include minor repairs and maintenance of common areas such as staircases, lift lobbies and corridors, and maintenance of STP-treated water supply lines used for horticultural use.

DDA will continue to manage day-to-day maintenance until occupancy in a housing pocket reaches 80% or until a

residents' welfare association is registered with DDA, whichever occurs later. For unsold flats, DDA will pay service charges to the RWA as decided under its bylaws.

A standard operating procedure (SOP) specifying a structured mechanism to address day-to-day maintenance issues in various DDA housing pockets was recently approved by the competent authority, according to a notification. The SOP will come into effect from April 1, 2026.

It will be operationalised in a time-bound and coordinated manner to ensure efficient delivery of maintenance services, clarity of roles and accountability among the departments concerned, the notification stated.

According to the SOP, the provisions will apply to the pockets under the housing schemes announced between 2010 and 2021. For the flats allotted under the schemes launched in 2023 and thereafter, the maintenance cost for the first year was already collected along with the capital maintenance cost. As a result, regular service charges will be levied only after the completion of the first year. "Where this period is already completed, bills will be generated with the addition of arrears," the SOP stated.

Officials explained that at the time of selling flats, DDA collected a one-time capital maintenance charge from allottees for major repair or revamp works, such as improving the entire sewerage system, whitewashing or undertaking structural repairs. "However, day-to-day maintenance charges were not collected under the schemes introduced till 2021. That is why a decision has now been taken to implement a regular maintenance mechanism," an official said.

Monthly service charges will be levied per square metre of the plinth area, based on the flat category and the building typology, with the applicable GST charged separately. Initial rates were calculated on the basis of estimated inputs received from the engineering zones and averaged for uniformity. bFor subsequent financial years, the rates will be determined pocket-wise based on the actual expenditure incurred during the preceding year, pending liabilities and the cost inflation index notified by Central Board of Direct Taxes. These rates will be approved annually by the competent authority or the chief engineer of the zone concerned. Service charges will be billed quarterly and residents will be given a grace period of 10 calendar days from the date of billing to make the payment without interest. "Payments can be made through digital platforms or at cash deposit counters in the complex. If payment is not received within 10 days, simple interest at the rate of 12% per annum will be levied. Interest will be calculated from the date of billing," the authority stated.

Man accused of siphoning off Rs 8.9 crore from company back account denied bail

New Delhi, Agency: A Delhi court has denied bail to a man accused of siphoning off Rs 8.9 crore from a company's bank account through fraudulent internet banking transactions, observing that the offence was "grave and serious in nature" and involved "systematic and layered" transfers carried out as part of a criminal conspiracy. The defence had argued that since the investigation was complete and the chargesheet had been filed, there was no justification for keeping the accused in custody during trial. The court, however, held that the filing of the chargesheet did not mitigate the gravity of the alleged offence.

According to the prosecution, the fraud occurred between July 11 and Aug 30, 2024, through 94 internet

banking transactions initiated after the accused allegedly changed the mobile number linked to the corporate bank account using forged documents. The accused, Nitin Birmal Dongre, had contended that he had been in judicial custody since April 2, 2025, and sought bail on the ground of parity, claiming his role was similar to two co-accused who were granted bail earlier.

Rejecting this argument, the court held that Dongre's role was distinct and could not be equated with that of the others. Sessions judge Shunali Gupta observed that Dongre appeared to be the "prime accused" and the beneficiary of the siphoned funds, describing him as the alleged "kingpin" of the operation. The court also noted that two other suspects were yet to be arrested.

Opposing the bail plea, the prosecution highlighted the seriousness of the allegations, stating that the accused and his associates siphoned off crores of rupees within nearly 50 days through fraudulent online transactions.

Investigation revealed that the Axis Bank account - opened in 2008 in the name of Larsen & Toubro & Shanghai Urban Construction Operation at the bank's Lajpat Nagar branch - was compromised after a request was made on June 7, 2024, using forged company documents to change the registered phone number.

Woman jumps on Metro railway track, injured

New Delhi, Agency: A woman suffered serious injuries after she allegedly jumped onto the track at the Rajiv Chowk Metro station here on Friday morning in a bid to commit suicide, the police said. The incident was reported around 10.15 am at platform number 1 of the busy interchange station. The woman, aged around 45, was found injured and unconscious, they said.

According to the police, as the woman jumped on the track, alert commuters pulled her away before a train could reach the platform, preventing a major tragedy.

Metro police and security personnel rushed to the spot soon after receiving information about the incident and shifted the woman to Lady Hardinge Medical College.

At the hospital, her medico-legal case was prepared. Doctors said the woman was currently "not fit for giving statement". A woman cop has been deployed at the hospital, the police said. No identification documents or personal belongings were recovered from the woman. A Metro ticket recovered from the spot shows that she boarded the train from Janakpuri East station, they said.

The police are examining CCTV footage from the station and surrounding areas to ascertain her identity and the circumstances leading to the incident, an officer said.

Sewage inflow creates kilometre-long pool inside JNU

New Delhi, Agency: A kilometre-long, lake-like stretch filled with sewage water has developed on the Jawaharlal Nehru University premises, triggering concerns among students and staff that the contamination could pose health risks and harm wildlife that depends on water sources in the campus forest.

The sewage water is flowing into the campus from a damaged line along the boundary with neighbouring residential areas, JNU officials said, and has collected along the stretch of road leading towards the vice-chancellor's residence and the Poorvanchal residential complex. Spread across more than 1,000 acres on Southern Central Ridge of Aravali, nearly 30% of the university's campus is designated as forest cover.

During a visit on Friday, Media found that in several sections, the wastewater had stagnated into a large, murky waterbody, with dark green patches and froth visible on the surface, emitting a strong smell in an area frequently used by students and residents. The accumulation has formed in a depression alongside the road that earlier functioned as a rainwater catchment during the monsoon.

University officials said the sewage was meant to flow into a treatment plant. Civic bodies earlier tried to stop the inflow, but the sewage continues to enter the campus, officials said.

"The wastewater entering from a damaged sewage line from the neighbouring Vasant

Kunj has been flowing into the campus for the past five years. We have written to the civic agencies several times, most recently during the previous monsoon," an official said, adding that Delhi Jal Board (DJB) had promised to look into the matter. "Briefly the flow was stopped, but the sewage has started entering again and we plan to write to the agencies again."

Residents said the stagnant water had turned the stretch into a foul-smelling passage. "JNU is a campus with dense greenery and maintaining it is important to prevent any outbreak of disease that could affect both residents and wildlife. The stench not only makes it difficult to pass through the area but may also lead to water-borne diseases," said Ram, a visually impaired PhD scholar.

A walk through the campus forest revealed other concerns as well. A makeshift cowshed was found with several cows tied there. Students and locals alleged that dairy workers from nearby Masudpur village had been rearing their cattle in the area. Nearby, a large mound of construction and demolition waste has formed a hill-like structure, with broken concrete, bricks and rubble scattered across patches of the forest.

The visit also revealed a damaged stretch of the boundary wall and an abandoned guard post, making it easier for outsiders to access the campus forest. Pointing at the damaged wall, Rajpal, a 60-year-old retired sanitation worker from Masudpur, said he often walked through the ridge, feeding animals. "Many people enter the forest at night from this side and engage in illegal activities," he said, claiming that the area has become a hub for druggies.

Nearby, Surender, who operates a taxi stand close to the cowshed, said the cattle belonged to dairy owners from Masudpur. "They keep them here and come during the day to milk them," he said, claiming that his taxi stand had permission from Delhi Development Authority.

JNU officials said contractors undertaking construction works on the campus were required to transport C&D waste to govt-designated disposal sites outside the university. "Construction debris is not supposed to be dumped inside the campus. The matter will be examined," an official said.